सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

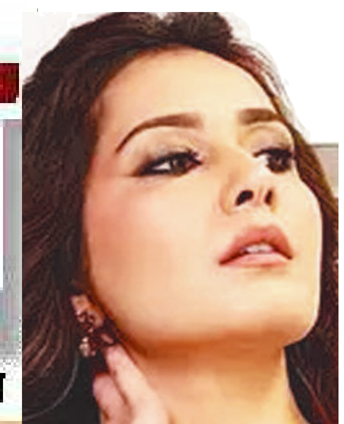

न्यूजीलैंड से मिली हार को नहीं भूलना चाहते हैं गंभीर -पेज: 7

चंद्र चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन को मिला समान -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: '186 | सोमवार 13 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

फर्जी पासपोर्ट से भरी उड़ान, यूएई से डिपोर्ट होकर भारत में फंसा, धोखाधड़ी में गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्लैक लिस्ट किए जाने के सात साल बाद एक व्यक्ति दूसरे नाम से पासपोर्ट बनवाकर यूएई पहुंच गया। एयरपोर्ट पर तकनीकी जांच के जरिए फर्जीवाड़े का खुलासा हो गया। यूएई एयरपोर्ट के अधिकारियों ने उसे तुरंत भारत निर्वासित कर दिया। आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचने पर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने फर्जीवाड़ा का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी यात्री से पूछताछ कर फर्जीवाड़े में शामिल आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। सात अक्तूबर की देर रात पंजाब के जालंधर का रहने वाला सतनाम नाम का व्यक्ति यूएई से आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचा। उसके पास पासपोर्ट था। दस्तावेजों की जांच में पता चला कि यूएई में ब्लैकलिस्ट होने की वजह से उसे वहां प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। लेकिन उसके पासपोर्ट की जांच में पता चला कि उसने इससे पहले यूएई की यात्रा नहीं की थी। शक होने पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने यात्री से पूछताछ की। सतनाम ने खुलासा किया कि उसका असली नाम नसतार है। उसने नसतार नाम से पासपोर्ट बनाकर यूएई गया था, लेकिन अवधि से अधिक वहां रुकने की वजह से उसे पकड़ लिया गया और बाद में ब्लैकलिस्ट कर दिया गया।

उत्तराखंड में पड़ने लगी गुलाबी ठंड, लोगों से सेहत के प्रति सजग रहने की अपील

-दिन और रात के तापमान में 13 डिग्री से ज्यादा की गिरावट

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में सुबह-शाम कड़ाके की सर्दी पड़ने लगी है। दिन और रात के तापमान में 13 डिग्री से ज्यादा का अंतर आ गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से सेहत के प्रति सजग रहने की अपील की है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक ने बताया कि प्रदेशभर में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। आगामी एक सप्ताह तक प्रदेशभर में धूप खिली रहेगी। वरिष्ठ फिजिशियन के मुताबिक दिन में मौसम गर्म और रात, सुबह एवं शाम को ठंड होने से सेहत पर असर पड़ता है। जब ठंड हो तो एहतियात बरतें। पंखा चलाने को लेकर एहतियात बरतें। गुलाबी ठंड एक मौसमीय घटना है जो उत्तर भारत, खासकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पहाड़ी इलाकों में पड़ती है। इसका असर मुख्य रूप से दिसंबर-जनवरी में दिखता है। गुलाबी ठंड में अत्यधिक ठंडी रातें और सुबह के समय का असामान्य तापमान रहता है। इसे इसलिए 'गुलाबी' कहा जाता है क्योंकि सुबह के समय सूरज की पहली किरणों में घास, खेत और पेड़ गुलाबी-लाल रंग में दिखाई देते हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर 12.58 करोड़ का सोना पकड़ाया, कर्मचारियों समेत 13 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई एयरपोर्ट पर 12.58 करोड़ रुपए मूल्य का सोना जब्त किया है और इस संबंध में 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन गोल्डन स्वीप' के तहत डीआरआई की मुंबई जोनल इकाई ने सोने की तस्करी के गिरोह का पर्दाफाश किया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया कि इस मामले में हवाई अड्डा कर्मचारियों समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में दो बांग्लादेशी और छह श्रीलंकाई नागरिक हैं। कुल 10.5 किलोग्राम सोना जब्त किया गया है, जिसकी कीमत करीब 12.58 करोड़ रुपए है। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई पहुंचने पर, संबंधित ट्रांजिट यात्री तस्करी का सोना अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान क्षेत्र में मौजूद एयरपोर्ट के कर्मचारियों को सौंप देते थे। उन्होंने कहा कि इसके बाद कर्मचारी सोने को हवाई अड्डा परिसर से बाहर ले जाकर बाहरी लोगों को सौंप देते थे।

दिल्ली को 'भारत की कौशल राजधानी' बनाने सरकार की प्रतिबद्धता : मंत्री सूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय (डीएसईयू) के स्थापना दिवस पर दिल्ली को 'भारत की कौशल राजधानी' बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। गृह, उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री की भी जिम्मेदारी संभालने वाले सूद ने कहा कि डीएसईयू की पहुंच और प्रभाव को दिल्ली से बाहर तक ले जाना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि मैं यहां केवल एक मंत्री के रूप में ही नहीं बल्कि कौशल विकास के जरिए हो रहे परिवर्तन में एक भागीदार के रूप में भी हूं। शासन का मतलब पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सेवाएं पहुंचाना है। सूद ने डीएसईयू को शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के एक साथ आगे बढ़ने वाले कौशल भारत दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण बताया। उन्होंने विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों से लंबित मुद्दों को समयबद्ध तरीके से हल करने के लिए समिति का गठन करने की घोषणा की। शिक्षा सुधारों पर सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए मंत्री सूद ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन और दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के सिद्धांत पर काम कर रही है। डीएसईयू के कुलपति अशोक कुमार नागावत ने कहा कि डीएसईयू भारत का पहला विश्वविद्यालय है जिसने एनईपी को पूरी तरह लागू किया है।

केरल फिर देश का रोल मॉडल : अत्यंत गरीबी खत्म करने वाला दक्षिण एशिया का पहला राज्य

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल राज्य एक बार फिर अपनी मजबूत सरकारी और सामाजिक भागीदारी के दम पर देश के लिए रोल मॉडल बनने जा रहा है। राज्य ने आधिकारिक तौर पर अपने यहाँ से अत्यंत गरीबी (Extreme Poverty) खत्म करने की घोषणा कर दी है, जिसकी औपचारिक घोषणा 1 नवंबर को होगी। ऐसा करने वाला केरल देश का ही नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया का पहला राज्य होगा। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जिनकी आय ?158.10 प्रति दिन से कम है, वे अत्यंत गरीबी की श्रेणी में आते हैं। केरल ने इससे आगे बढ़कर भोजन, आय, स्वास्थ्य और आवास को आधार बनाया और इस पहल को मानवीय गरिमा नाम दिया। केरल में स्वर्णम्मा जैसी 1.03 लाख लोग हैं, जो अत्यंत गरीबी में जीवन गुजार रहे थे, जिनकी जिंदगी अब बदल गई है।

घुसपैठ पर कांग्रेस का शाह से बड़ा सवाल, पिछले 11 साल से क्या कर रहे थे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घुसपैठ संबंधी बयान पर कांग्रेस ने तीखा पलटवार किया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि अमित शाह आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए दुष्प्रचार की राजनीति कर रहे हैं।

दरअसल, अमित शाह ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को वोट बैंक के रूप में देखते हैं। और सवाल किया था कि गुजरात और राजस्थान की सीमाओं पर घुसपैठ क्यों नहीं होती? शाह ने यह भी दावा किया था कि भारत में मुस्लिम आबादी में 24.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि हिंदू आबादी में 4.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने इस असंतुलन का कारण पाकिस्तान और बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ को बताया था।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर गृह मंत्री पर तीखा हमला किया। उन्होंने लिखा, सहकारिता मंत्री ने 10 अक्टूबर को हिंदू-मुस्लिम विवाद को हवा देने

और चुनावों से पहले मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने की कोशिश की। खेड़ा ने आरोप लगाया कि शाह ने मुसलमानों की बढ़ती आबादी का हवाला देकर यह संकेत दिया कि भारत में व्यापक मुस्लिम घुसपैठ हो रही है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, अगर मुस्लिम आबादी घुसपैठ के कारण बढ़ी है, जैसा कि गृह मंत्री दावा कर रहे हैं, तो वे पिछले 11 सालों से क्या कर रहे थे? खेड़ा ने कहा कि शाह को जल्द ही यह एहसास हो गया कि वह गृह मंत्री भी हैं, और इसलिए उन्होंने अपना बयान सोशल मीडिया से हटा लिया।

कांग्रेस नेता ने आंकड़े पेश करते हुए कहा कि 2005 से 2013 के बीच यूपीए सरकारों ने 88,792 बांग्लादेशी नागरिकों को निर्वासित किया था, जबकि भाजपा शासन में 11 वर्षों में यह संख्या 10,000 से भी कम रही। उन्होंने तंज कसा, ÷खाली बर्तन ज्यादा खड़कते हैं।÷ वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि अमित शाह वेपन ऑफ मास डिसइनफॉरमेशन (दुष्प्रचार का व्यापक हथियार) और वेपन ऑफ इंटिमिडेटरी मास पोलराइजेशन (धमकी आधारित जनध्रुवीकरण का हथियार) का इस्तेमाल कर रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि अमित शाह के ऐसे बयान देश में साम्प्रदायिक तनाव को बढ़ाने का काम करते हैं, जबकि गृह मंत्री का दायित्व शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना है।

कसौली चिदंबरम बोले- ऑपरेशन ब्लू स्टार एक गलत कदम था, इंदिरा गांधी ने जान देकर चुकाई कीमत

कसौली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने एक कार्यक्रम में कहा, कि 1984 में स्वर्ण मंदिर में सैन्य कार्रवाई यानी 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' गलत कदम था और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकाई। चिदंबरम हिमाचल प्रदेश के कसौली में आयोजित खुशवंत सिंह साहित्य महोत्सव में हिस्सा लेने पहुंचे थे।

कार्यक्रम में चिदंबरम हरिंदर बावेजा की किताब ÷दे विल शूट यू, मैडम÷ पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैं किसी फौजी अफसर का अनादर नहीं कर रहा, लेकिन स्वर्ण मंदिर को वापस पाने का तरीका गलत था। कुछ साल बाद हमने बिना सेना के सही तरीका अपनाया। ब्लू स्टार गलत रास्ता था और श्रीमती गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह फैसला अकेले इंदिरा गांधी का नहीं था, बल्कि सेना, पुलिस, गुप्तचर एजेंसियों और सिविल सेवा के संयुक्त निर्णय का परिणाम था। उन्होंने कहा, इसका सारा दोष केवल इंदिरा गांधी पर डालना अनुचित है। क्या आप ऐसा करेंगे? यह सवाल उन्होंने कार्यक्रम के दौरान लेखिका हरिंदर बावेजा से पूछा।

वर्तमान पंजाब की स्थिति पर बोलते हुए चिदंबरम ने कहा कि खालिस्तान आंदोलन अब लगभग समाप्त हो चुका है, और राज्य की वास्तविक समस्या आर्थिक संकट और बेरोजगारी है। उन्होंने कहा, कि पंजाब की मेरी यात्राओं से स्पष्ट है कि अलगाव की मांग व्यावहारिक रूप से खत्म हो गई है। अब सबसे बड़ी चिंता आर्थिक स्थिति की है, और यही कारण है कि सबसे अधिक अवैध प्रवासी पंजाब से हैं।

तालिबानी विदेश मंत्री की भारत यात्रा को लेकर ओवैसी ने कहा, भारत को काबुल से पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित करने चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की भारत यात्रा के बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने तालिबान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ओवैसी ने कहा, कि भारत को तालिबान सरकार के साथ सिर्फ बातचीत तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित करने चाहिए, ताकि देश के सुरक्षा और रणनीतिक हित सुरक्षित रह सकें।

सांसद ओवैसी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, कि उन्होंने 2016 में संसद में अपने भाषण के दौरान ही यह भविष्यवाणी की थी कि अफगानिस्तान में एक दिन फिर से तालिबान की वापसी होगी। ओवैसी के अनुसार, उन्होंने उस समय ही भारत सरकार को तालिबान से संवाद शुरू करने की सलाह दी थी, लेकिन तब भाजपा नेताओं ने उनकी बात का विरोध किया था। सांसद ओवैसी ने कहा, मैंने 2016 में संसद में कहा था कि तालिबानी आएंगे, उनसे बात करो। आज उनके विदेश मंत्री भारत में हैं और पाकिस्तान की वायुसेना वहां बमबारी कर रही है। यह समय भारत के लिए अपनी नीति पर पुनर्विचार करने का है। हमें अफगानिस्तान के साथ पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अफगानिस्तान में मौजूदगी उसके भू-राजनीतिक और सुरक्षा हितों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सांसद ओवैसी ने इसी बीच ईरान के चाबहार बंदरगाह के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा, कि भारत इस बंदरगाह के माध्यम से अफगानिस्तान तक व्यापारिक और रणनीतिक मार्ग मजबूत कर सकता है। इससे न केवल चीन और पाकिस्तान के प्रभाव को संतुलित किया जा सकेगा, बल्कि मध्य एशिया में भारत की स्थिति भी सशक्त होगी।

ऑपरेशन सिंदूर में किया गया धर्म युद्ध के सिद्धांतों का पालन, आर्मी चीफ ने दी पाकिस्तान को दो टूक चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर स्पष्ट शब्दों में कहा, कि भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान धर्म युद्ध के सिद्धांतों का पालन किया। उन्होंने बताया कि सेना ने इस अभियान में केवल आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि आम नागरिकों और सामान्य सैन्य प्रतिष्ठानों पर किसी भी तरह का हमला नहीं किया गया।

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने यह बयान हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के चैल स्थित राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल के शताब्दी समारोह में दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल अनुशासन, नैतिकता और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। सेना का लक्ष्य केवल आतंकवाद का खात्मा है, न कि किसी देश या

नागरिक को नुकसान पहुंचाना। आर्मी चीफ ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने धर्म युद्ध के सिद्धांतों का पालन किया। हमने केवल आतंकवादियों के ठिकानों पर प्रहार किया, जबकि पाकिस्तान में नागरिक या सैन्य अड्डे पूरी तरह सुरक्षित रहे। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने 6 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस अभियान में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकवादी ठिकानों को सटीक निशाना बनाया गया। हालांकि पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की, लेकिन भारतीय सेना की रणनीति और ताकत के आगे वह टिक नहीं सका।

जनरल द्विवेदी ने यह भी कहा कि इस अभियान ने न केवल आतंक के नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया, बल्कि पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश भी दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में सक्षम है। समारोह के दौरान आर्मी चीफ ने चैल मिलिट्री स्कूल की उपलब्धियों की सराहना की और छात्रों से देश सेवा के मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान वर्षों से देश को बेहतरीन सैन्य अधिकारी और नेतृत्वकर्ता प्रदान कर रहा है।

पाक के लिए जासूसी करने वाले मंगत को कोर्ट ने तीन दिन की रिमांड पर भेजा

जयपुर (एजेंसी)। पाकिस्तानी के लिए जासूसी करने पर गिरफ्तार राजस्थान के मंगत सिंह को शनिवार को एक विशेष अदालत ने तीन दिन की हिरासत में भेज दिया। विशेष लोक अभियोजक के मुताबिक आरोपी पर पाकिस्तान में बैठे आकाओं के साथ संवेदनशील रणनीतिक जानकारी साझा करने के आरोप में सरकारी गोपनीयता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि अलवर जिले के गोविंदगढ़ निवासी मंगत सिंह ने लोगों की धार्मिक आस्था का फायदा उठाने के लिए खुद को सिद्ध पुरुष बताया था। अलवर क्षेत्र में जाने-माने मंगत सिंह ने कथित तौर पर अनुष्ठान करने के बहाने पैसे ऐंठे। अधिकारी कई महीनों से उसकी गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। निगरानी से पता चला कि वह करीब दो साल से सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी आईएसआई एजेंटों को जानकारी पहुंचा रहा था। सूत्रों ने बताया कि जांच में उसके मोबाइल फोन में ईशा शर्मा और ईशा बॉस नाम से सेव किए गए दो संदिग्ध नंबरों की पहचान पाकिस्तानी हैंडलरों के रूप में हुई। एक अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि मंगत सिंह ने पाकिस्तान के साथ संवेदनशील और रणनीतिक जानकारी साझा की थी। उसके वित्तीय लेनदेन के रिकॉर्ड भी मिले हैं। संभावित धन हस्तांतरणों की भी जांच की जा रही है। खुफिया सूत्रों ने पुष्टि की कि जयपुर स्थित खुफिया इकाइयों और केंद्रीय एजेंसियों ने मंगत सिंह के मोबाइल फोन का तकनीकी विश्लेषण किया, जिससे पाकिस्तान स्थित गुर्गों के साथ उसके संबंधों की पुष्टि हुई है। जासूसी गतिविधि की पुष्टि के बाद, राजस्थान की सीआईडी ??ने मामला दर्ज किया और शुक्रवार को उसे गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने कहा कि राजस्थान की खुफिया और केंद्रीय एजेंसियां अब उसके वित्तीय लेन-देन, संपर्कों और संभावित स्थानीय नेटवर्क की जांच कर रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से राजस्थान की खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तान को सूचना भेजने के संदिग्ध जासूसी नेटवर्क पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है।

लालू, राबड़ी और तेजस्वी आज दिल्ली में कोर्ट में होंगे पेश, सीटों का बंटवारा टला

सीट बंटवारे की अड़चनों को कांग्रेस आलाकमान से दूर करवा सकते हैं तेजस्वी

पटना (एजेंसी)। बिहार में महागठबंधन के सीट बंटवारे की घोषणा सोमवार तक टल गई है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव रविवार को दिल्ली पहुंचे। सोमवार को तीनों को नौकरी के बदले जमीन मामले में अदालत में पेश होना है। दिल्ली में तेजस्वी, राहुल गांधी से मिल सकते हैं।

कांग्रेस के साथ समझौते में आ रही अड़चनों को तेजस्वी कांग्रेस आलाकमान के हस्तक्षेप से दूर करवा सकते हैं। कांग्रेस से अगर दिल्ली में बात फाइनल हुई तो पटना में घोषणा सिर्फ औपचारिकता रह जाएगी। तेजस्वी सोमवार को ही पटना लौट आएंगे। इसलिए सीट बंटवारे का ऐलान सोमवार शाम या मंगलवार तक हो सकता है।

बता दें महागठबंधन में पहले चरण की वैसी सीटें, जिन पर दो दलों का परस्पर दावा नहीं है और जिनके उम्मीदवार तय हैं, वहां अनौपचारिक रूप से उम्मीदवारों को सिंबल लेकर नामांकन की तैयारियां करने को कहा है। सूत्रों का कहना है कि राजद ने करीब चार दर्जन ऐसे उम्मीदवारों को पटना में जरूरी पेपर के साथ बुलाया है और सिंबल ले जाकर ऐलान का इंतजार करने को कहा है। सीपीएम ने भी अपने दोनों मौजूदा विधायकों को नामांकन की हरी झंडी दे दी है।

गठबंधन में मुकेश सहनी ने टूट के संकेत दिए हैं और अगर वह निकलते हैं तो बचे हुए दलों के लिए सीटों की व्यवस्था तेजस्वी और कांग्रेस आसानी से कर लेंगे। सूत्रों के मुताबिक सीपीआई और सीपीएम को छोड़ सभी दलों को 2020 के मुकाबले कम सीटों पर लड़ना है। मुकेश सहनी और कांग्रेस के साथ तेजस्वी की बातचीत नहीं टूटती है तो राजद को 138 सीटें लड़ना है जो 2020 के मुकाबले 6 कम है। कांग्रेस को भी 70 के बदले 57 सीटों से ही संतोष करना पड़ सकता है।

स्ट्राइक रेट के आधार पर ज्यादा सीट मांग रही सीपीआई-एमएल को भी 2020 के मुकाबले 18 सीट मिल सकती है। मुकेश सहनी को 16 सीट दी जा सकती है। सीएम या डिप्टी सीएम फेस घोषित करने पर महागठबंधन में सहमति नहीं है क्योंकि कांग्रेस ऐसा नहीं चाहती है।

चुनाव आयोग ने शुरू की तैयारी-पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से लागू होगा वोटर वेरिफिकेशन

-2026 में पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में होगा एसआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग देश में चरणबद्ध तरीके से मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम शुरू कर सकता है। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत उन राज्यों से हो सकती है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। आयोग उन राज्यों में मतदाता सूची संशोधन अभियान नहीं चलाएगा जहां स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं या हो रहे हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि चुनाव मशीनरी, निकाय चुनाव में व्यस्त है और इसके चलते वे एसआईआर पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएंगे।

गौरतलब है कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन पांच राज्यों के अलावा पहले चरण में कुछ अन्य राज्यों में भी एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। बिहार में एसआईआर का काम पूरा हो गया है, जहां 30 सितंबर को लगभग 7.42 करोड़ नामों वाली अंतिम सूची प्रकाशित की गई थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि सभी राज्यों में मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण शुरू करने का काम चल रहा है और इसे शुरू करने पर अंतिम फैसला चुनाव आयोग द्वारा लिया जाएगा।

राज्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश

अधिकारियों के अनुसार, चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने इस महीने की शुरुआत में एक सम्मेलन में राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) से अगले 10 से 15 दिनों में एसआईआर शुरू करने के लिए तैयार रहने को कहा था। मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने राज्यों की मतदाता सूचियों को

अंतिम एसआईआर के बाद प्रकाशित रखें। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची है, जब राष्ट्रीय राजधानी में अंतिम बार गहन पुनरीक्षण हुआ था। उत्तराखंड में, अंतिम एसआईआर 2006 में हुआ था, और उस वर्ष की मतदाता सूची अब राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर है। अधिकांश राज्यों में मतदाता सूची की अंतिम एसआईआर 2002 और 2004 के बीच थी। एसआईआर का प्राथमिक उद्देश्य अवैध मतदाताओं के जन्म स्थान की जांच करके उन्हें मतदाता सूची से बाहर निकालना है।

मप्र में 20 से ज्यादा बच्चों की जान लेने वाले कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर पश्चिम बंगाल में प्रतिबंध

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन (बीसीडीए) ने राज्यभर के दवा विक्रेताओं को इस सिरप की बिक्री और खरीद तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्देश दिया है। ये वही कोल्ड्रिफ कप सिरप है जिसे बच्चों की जान का दुश्मन माना जा रहा है। मध्य प्रदेश में गुरुवार को तीन और बच्चों की मौत के बाद मरने वालों की कुल संख्या 20 पर पहुंच गई है। पांच बच्चे अब भी नागपुर में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं। जिसके बाद अब एहतियात बरतते हुए पश्चिम बंगाल में भी इस दवा की बिक्री और खरीद पर बैन लगा दिया गया है।

बंगाल राज्य औषधि नियंत्रण बोर्ड ने इन रसायनों की खरीद केवल अनुमोदित विक्रेताओं से करने और प्रमाणित प्रयोगशालाओं में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। तमिलनाडु स्थित कंपनी द्वारा निर्मित इस सिरप से जुड़ी मौतों के बाद कई राज्यों में दहशत फैल गई है। जांच में पाया गया है कि सिरप में प्रोपिलीन ग्लाइकॉल, ग्लिसरीन और सोर्बिटॉल जैसे रसायन हैं, जिनकी गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। बीसीडीए के सचिव पृथ्वी बसु ने बताया कि जिस बैच को मध्यप्रदेश की घटना से जोड़ा जा रहा है, वह पश्चिम बंगाल में नहीं पहुंचा है, लेकिन एहतियातन सभी दवा विक्रेताओं को इस ब्रांड की बिक्री रोकने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि 11 अक्तूबर को दवा विक्रेताओं के साथ बैठक बुलाई गई है, जिसमें इस सलाह को सख्ती से लागू करने पर चर्चा होगी।

इससे पहले अरुणाचल प्रदेश सरकार ने कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री व उपयोग पर रोक लगा दी। अरुणाचल प्रदेश औषधि नियंत्रण ने श्रीसन फार्मास्युटिकल से निर्मित कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री, वितरण और भंडारण पर प्रतिबंध लगाने संबंधी परामर्श जारी किया है। तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन ने भी दो कफ सिरप रीलाइफ और रेस्पीफ्रेश टीआर के खिलाफ सार्वजनिक चेतावनी - उपयोग बंद करने का नोटिस जारी किया। इन दोनों सिरप में एक जहरीले पदार्थ की मिलावट पाई गई है। औषधि निरीक्षकों ने पाया कि इस घटिया केमिकल से कई दवाएं तैयार की गईं। जांच टीम ने पाया कि कंपनी के पास उस समय प्रोपलीन ग्लायकॉल का कोई स्टॉक नहीं था। कंपनी के पास रसायन खरीद का कोई चालान भी नहीं था। इससे शक और गहरा गया कि कंपनी ने केमिकल को तेजी से खत्म कर दस्तावेज छिपाने की कोशिश की।

संपादकीय

सरकारी नौकरी का 'प्रण'

राजद नेता तेजस्वी यादव ने ऐसा चुनावी दांव खेला है, जो अभी तक किसी भी दल और नेता ने नहीं खेला। तेजस्वी इसे चुनावी जुमला नहीं, बल्कि ह्यप्रणह्व मान रहे हैं। उन्होंने 2020 के चुनाव की तरह इस बार भी ह्यबेरोजगारीह्व को प्रमुख मुद्दा बनाने की कोशिश की है। तब वह 17 माह तक उपमुख्यमंत्री के पद पर रहे थे। राजद के नेता और प्रवक्ता दावे करते रहे हैं कि तब तेजस्वी ने 5 लाख नौकरियां दीं। ऐसा कोई सरकारी डाटा उपलब्ध नहीं है। हालांकि करीब 1.5 लाख नौकरियां देने का ब्योरा सरकारी रिकॉर्ड में है, लेकिन तब भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही थे। उनकी पार्टी भी इन नौकरियों का ढोल बजा रही है, जो गलत नहीं है। बहरहाल अब तेजस्वी का ह्यप्रणह्व है कि बिहार में उनकी सरकार बनी, तो 20 दिन में ही एक अधिनियम पारित कराया जाएगा और उसके 20 महीने के भीतर हर घर में एक सरकारी नौकरी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने दावा किया है कि अध्ययन किया जा चुका है। बिहार में घर-घर सरकारी नौकरी देना संभव है, लेकिन हम ऐसा नहीं मानते, क्योंकि तेजस्वी ने अध्ययन का कोई भी आधार सार्वजनिक नहीं किया है। उसके अलावा, कुछ बुनियादी और अहम सवाल भी हैं। बिहार में 2.76 करोड़ परिवार हैं। कुछ 3 या 3.50 करोड़ परिवारों की बात कर रहे हैं, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में 2.76 करोड़ से कुछ अधिक परिवार दर्ज हैं। माना जा सकता है कि कई परिवारों में पहले से ही सरकारी नौकरी वाले सदस्य होंगे। फिर भी मोटा अनुमान है कि कमोबेश 2 करोड़ नौकरियों का सृजन करना होगा, तभी संभावित तेजस्वी सरकार का ह्यप्रणह्व पूरा किया जा सकता है। ऐसा करना हमें तो अवास्तविक, बल्कि असंभव लगता है। दरअसल बिहार सरकार में 46 विभाग हैं, जिनमें 10 प्रशासनिक विभाग हैं। शेष कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आदि के विभाग हैं। राज्य में करीब 14 लाख नौकरियां हैं और 4 लाख से ज्यादा नौकरियां रिक्त पड़ी हैं। बिहार में मात्र 1.57 फीसदी लोगों को ही सरकारी नौकरी नसीब है। राज्य की मात्र 4.92 फीसदी आबादी को कोई न कोई रोजगार उपलब्ध है। लिहाजा व्यापक स्तर पर लोग पलायन करते हैं। उनमें से अधिकांश बिहारी बड़े शहरों में रिक्शा, ई-ऑटो चलाते हैं और दिहाड़ीदार मजदूरी करते हैं।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है।

एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है?

यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अहोई माताः संतान के जीवन में मंगल भरने वाली शक्ति

योगेश कुमार गोयल

करवा चौथ के चार दिन पश्चात और दीवाली से ठीक एक सप्ताह पहले भारत में हिन्दू समुदाय में एक प्रमुख त्यौहार ह्यअहोई अष्टमीह्व मनाया जाता है, जो प्रायः वही स्त्रियां करती हैं, जिनके संतान होती है किन्तु अब यह व्रत निसंतान महिलाएं भी संतान की कामना के लिए करती हैं। ह्यअहोई अष्टमीह्व व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को किया जाता है और इस वर्ष यह पर्व 13 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। स्त्रियां दिनभर व्रत रखती हैं। सायंकाल से दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पूजन के बाद दीवार पर लिखी अष्टमी का पूजन किया जाता है। फिर दूध-भात का भोग लगाकर कथा कही जाती है। आधुनिक युग में अब बहुत सी महिलाएं दीवारों पर चित्र बनाने के लिए बाजार से अहोई अष्टमी के रेडीमेड चित्र खरीदकर उन्हें पूजास्थल पर स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। कार्तिक कृष्ण अष्टमी को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घ आयु तथा उनके जीवन में समस्त संकटों या विघ्न-बाधाओं से उनकी रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ स्थानों पर इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा कंस द्वारा भेजे गए धोबी का वध करते प्रदर्शन किया जाता है। अहोई माता के रूप में अपनी-अपनी पारिवारिक परम्परानुसार लोग माता पार्वती की पूजा करते हैं।

अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में कुछ कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में किसी नगर में एक साहूकार रहता था। उसके सात लड़के थे। दीपावली से पहले साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में गई और कुदाल से मिट्टी खोदने लगी। दैव योग से उसी जगह एक सेह की मांद थी। सहसा उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग गई, जिससे सेह का बच्चा तत्काल मर गया। अपने हाथ से हुई हत्या को लेकर साहूकार की पत्नी को बहुत दुख हुआ परन्तु अब क्या हो सकता था? वह पश्चाताप करती हुई शोकाकुल अपने घर लौट आई। कुछ दिनों बाद उसके बेटे का निधन हो गया। फिर अकस्मात दूसरा, तीसरा और इस प्रकार वर्ष भर में उसके सभी बेटे मर गए। महिला अत्यंत व्यथित रहने लगी। एक दिन उसने अपने आस-पड़ोस की महिलाओं को विलाप करते हुए बताया कि उसने जानबूझकर कभी कोई पाप नहीं किया। हां, एक बार खदान में मिट्टी खोदते हुए अनजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या अवश्य हुई है और तत्पश्चात मेरे सातों बेटों की मृत्यु हो गई। यह सुनकर पास-पड़ोस की वृद्ध औरतों ने साहूकार की पत्नी को दिलासा देते हुए कहा कि यह बात बताकर तुमने जो पश्चाताप किया है, उससे तुम्हारा आधा पाप नष्ट हो गया है। तुम उसी अष्टमी को भगवती माता की शरण लेकर सेह और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर उनकी आराधना करो और क्षमा-याचना करो। ईश्वर की कृपा से तुम्हारा पाप धुल जाएगा। साहूकार की पत्नी ने वृद्ध महिलाओं की बात मानकर कार्तिक मास की कृष्णपक्ष की अष्टमी को उपवास व पूजा-याचना की। वह हर वर्ष नियमित रूप से ऐसा करने लगी। बाद में उसे सात पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई।

अहोई व्रत के संबंध में एक और कथा प्रचलित है। बहुत समय पहले झांसी के निकट एक नगर में चन्द्रभान नामक साहूकार रहता था। उसकी पत्नी चन्द्रिका बहुत सुंदर, सर्वगुण सम्पन्न, सती साध्वी, शीलवन्त, चरित्रवान तथा बुद्धिमान थी। उसके कई पुत्र-पुत्रियां थे परन्तु वे सभी बाल अवस्था में ही परलोक सिधार चुके थे। दोनो पति-पत्नी संतान न रह जाने से बहुत व्यथित रहते थे। वे दोनों प्रतिदिन मन ही मन सोचते कि हमारे मर जाने के बाद इस अपार धन-सम्पदा को कौन संभालेगा? एक बार उन दोनों ने निश्चय किया कि वनवास लेकर शेष जीवन प्रभु-भक्ति में व्यतीत करें।

यही विचार कर दोनों अपना घर-बार त्यागकर वनों की ओर चल दिए। रास्ते में जब थक जाते तो रूककर थोड़ा विश्राम कर लेते और फिर चल पड़ते। इस प्रकार धीरे-धीरे वे बद्रिका आश्रम के निकट शीतल कुण्ड जा पहुंचे। वहां पहुंचकर दोनों ने निराहार रहकर प्राण त्यागने का निश्चय कर लिया। निराहार व निर्जल रहते हुए जब उन्हें सात दिन हो गए तो आकाशवाणी हुई कि तुम दोनों प्राणी अपने प्राण मत त्यागो। यह सब दुख तुम्हें तुम्हारे पूर्व पापों से भोगना पड़ा है। यदि तुम्हारी पत्नी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजन करे तो अहोई देवी प्रसन्न होकर साक्षात दर्शन देंगी। तुम उनसे दीघार्यु पुत्रों का वरदान मांग लेना। व्रत के दिन तुम राधाकुण्ड में स्नान करना।

चन्द्रिका ने आकाशवाणी के बताए अनुसार विधि-विधान से अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजा-अर्चना की और तत्पश्चात राधाकुण्ड में स्नान किया। जब वे स्नान इत्यादि के बाद घर पहुंचे तो उस दम्पत्ति को अहोई माता ने साक्षात दर्शन देकर वर मांगने को कहा।

साहूकार दम्पत्ति ने हाथ जोड़कर कहा, ह्यह्यहमारे बच्चे कम आयु में ही परलोक सिधार जाते हैं। आप हमें बच्चों की दीघार्यु का वरदान दें।ह्वह्व

ह्यह्यतथास्तु !ह्वह्व कहकर अहोई माता अंतर्ध्यान हो गई। कुछ समय के बाद साहूकार दम्पत्ति को दीघार्यु पुत्रों की प्राप्ति हुई और वे सुखपूर्वक अपना गृहस्थ जीवन व्यतीत करने लगे।

देवी पार्वती को अनहोनी को होनी बनाने वाली देवी माना गया हैं, इसलिए अहोई अष्टमी पर माता पर्वती की पूजा की जाती है और संतान की दीघार्यु एवं सुखमय जीवन की कामना की जाती है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

उपनिवेशवाद की सोच भारतीयो को कुछ नया करने में बाधक

कांतिलाल मांडोत

आरएसएस भारतीय रास्ट्रवाद का स्वयंसेवक संगठन के विजयादशमी के दिन सौ वर्ष पूर्ण होने पर देश-विदेश में राष्ट्र को समर्पित अनेक कार्यक्रम हुए और अभी भी जारी है।कई उतार चढ़ाव से गुजरने के बाद अब आरएसएस वटवृक्ष बन गया है।भारत की ज्ञान परम्परा और शिक्षा पद्धति पर चिंतन होता रहा है।दुनिया मे शायद ही किसी संगठन की इतनी आलोचना की होगी,जितनी आरएसएस की हुई है।बिना आधार के आरएसएस पर लगाए सभी आरोप कपोल कल्पित और जूठे साबित हुए।दरअसल,अपने मन मे देश के प्रति जज्बा लिए ये युवा अपना सर्वस्व अर्पण कर देशसेवा के लिए हर जंग लड़ने के लिए हर समय तैयार रहते है।नीतिमत्ता और ईमानदारी का गुण जीवन की आधारशिला है।समाज को आगे लाने के लिए हर कदम पर सहयोग मिलने से भारत एक मजबूत राष्ट्र बनता जा रहा है।रास्ट्रीय स्वयंसेवक से सरसंघचालक मोहन भागवत की सक्रियता और समर्पण भाव को देखकर हर व्यक्ति दंग रह जाता है। भाजपा के राजनैतिक वर्चस्व के इस दौर में राष्ट्रवाद की भगवा सोच भी उसी तीव्र गति से बढ़ाया गया।आज भाजपा की मजबूत नींव पर आरएसएस के शुद्ध संकल्प और अच्छी सोच का ही कारण रहा है।संघ ने शिक्षा पद्धति में आमूल-चूल परिवर्तन करने और भगवा विचारों में रंगने की चाह के लिए रणनीति के साथ पहल हुई थी।संघ का योगदान देश की आजादी के समय 1947 में भी भरपूर रहा है।कश्मीर पर पाकिस्तान सेना की गतिविधियों पर संघ बराबार नजर रखे हुए था।1962 में संघ के स्वयंसेवक जिस तरह सीमा पर पहुँचे, उसे पूरे देश ने देखा।1963 में 26 जनवरी पर प्रधानमंत्री नेहरू ने स्वयंसेवक के कार्यकताओं को परेड में शामिल होने का निमंत्रण दिया।ये देश के प्रति समर्पित है।1965 के भारत पाकिस्तान के युद्ध के समय लालबहादुर शास्त्री ने संघ को याद किया।स्वयंसेवको ने कानून व्यवस्था संभाली थीं।आरएसएस ने देशहित में अनेक ऐसे कार्य किये है।जिसका इतिहास बन चुका है।उपनिवेशवादी मानसिकता से मुक्त कराने के लिए शिक्षा से ही संभव है।और इस पर सरसंघचालक कही बार अपने मंच से बोलकर देश को अवगत कराते आ रहे है।शिक्षा के उद्देश्य, विषय वस्तु और व्यवस्था में भारतीयता होनी चाहिए।मोहन भागवत का सारा समय देश के लिए समर्पित है।देश मे आए दिन अनेक सभा और पथ संचलन के कार्यक्रम आयोजित कर युवाओ को प्रशिक्षित कर देशसेवा के प्रति समर्पण भाव के गुर सिखाए जा रहे है।संघ यह भी मानता है कि सत्ता से नही,बल्कि समाज के द्वारा ज्यादा प्रभावी होता है।वर्तमान में जो नवीन ज्ञान हमे मिल रहा है,उसे सीखे।जो सीखने योग्य है ,उसे अवश्य सीखे, किन्तु सीखने का उद्देश्य यही है कि हम अपने धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन मूल्यो को नष्ट करके की जरा भी भूल नहीं करे।यही शिक्षा उपादेय,सार्थक एवं गाह्य है,जिसके द्वारा सत्य,अहिंसा,अस्तेय,अपरिग्रह, इंद्रिय,निग्रह,त्याग,परोपकार, दया,करुणा आदि गुणों का विकास हमारे भीतर हो।यही धारणा और समर्पित जीवन का लक्ष्य लिए देश सेवा करते हुये आरएसएस के सौ वर्ष पूर्ण हो चुके है।स्वयंसेवक संघ में संवेदनशीलता,दया,करुणा,परदुःखकातरता सुषुप्त नही हुई है इनका मुख्य लक्ष्य व्यक्तिवाद और स्वार्थ साधना नही होकर केवल देश सेवा की रही है।रास्ट्रीय,सामाजिक,नैतिक अस्मिता की रक्षा के लिए शाश्वत जीवन मूल्यों के अभिरक्षक के प्रयास सतत कर रहे है।क्योंकि ये जानते है कि अनुसाशनहीनता और सद्गुणों की उपेक्षा से जीवन अपवित्र होता है।स्वयंसेवक सेदेश ,परिवार,समाज को कई अपेक्षाएं है ।मोहन भागवत मनोयोग से अध्ययन करने की सिख देते है।विद्यार्थियों में शिक्षा का स्तर बढ़ना चाहिए।संघ का दर्द उस समय झलका था।जब रोहित वेमुला प्रकरण,जेएनयू में कन्हैया प्रकरण,पश्चिमी बंगाल में जाधवपुर विवि की घटना और बिहार चुनाव से ठीक पहले असहिष्णुता के खिलाफ बुद्धिजीवियों की अवार्ड वापसी के झटकों ने भगवा ब्रिगेड को हिला दिया था।इनका यह भी मानना है कि मोदी के आने के बाद वामपंथियों को कमजोर कड़ी के तौर पर चुना,जहा उनका वर्चस्व है और एनजीओ वाले इनके साथ खड़े दिखते है।उसके बाद ही चुनिंदा रणनीतिकारों ने बौद्धिक आंदोलन का खाका तैयार किया।इसलिए मोहन भागवत शिक्षा परिवर्तन पर हर समय मंच से बात करते है।क्योंकि इस दौर में तेजी से जो क्षरण हो रहा है उसकी रोकथाम के लिए आपको आगे आने की जरूरत है।हम जिस देश मे जन्मे है,यही धरती महान है।यहां की संस्कृति अत्यंत गरिमा से परिपूर्ण है। हमे यहां की गौरवगरिमा की सुरक्षा के लिए हर समय स्वयंसेवक की तरह सचेष्ट रहना है।जहां भी पापो की ज्वाला उठे, द्रढता के साथ हमे उनका प्रतिकार करना चाहिए।

संघ मानता है कि भारतीय शिक्षा पद्धति में अंग्रेजी और वामपंथ का वर्चस्व है इसलिए भाजपा के सत्ता में आने से बने अनुकूल माहौल में परिवर्तन सुनिश्चित करना होगा।संस्कारित शिक्षा की पहल 1950 के दशक में ही कर दी थी।भारत की शिक्षा पूरी तरह आध्यात्म आधारित रही है।आर्थिक उपार्जन आवश्यक है,लेकिन वह केवल जीवन जीने के लिए है आध्यात्म के आधार पर ही राष्ट्र का उत्थान हो सकता है।

नोबेल शांति पुरस्कार की गूंज और भारतीय राजनीति का तापमान

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की राजधानी दिल्ली की फिजाओं में कुछ ही दिन पहले धर्म और अधर्म के बीच हुए भव्य रामलीला महोत्सव की प्रतिध्वनि गूंज रही थी। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम द्वारा अहंकारी रावण का वध कर सत्य और धर्म की विजय का संदेश देने के साथ ही विश्व राजनीति के मंच से एक ओर 'सत्य की विजय' की घोषणा हुई- तभी नोबेल शांति पुरस्कार 2025 का ऐलान।इस वर्ष यह सम्मान वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को दिया गया है।उन्होंने अपने देश में लोकतंत्र की रक्षा के लिए अहिंसक संघर्ष किया।जब सत्तावादी शासन ने संविधान और नागरिक स्वतंत्रताओं पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया,तब मचाडो ने भय और दमन के वातावरण में भी जनता की आवाज बुलंद की।यही साहस उन्हें विश्व का सम्मान दिलाने में सहायक बना। उनका यह सम्मान आज वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक चेतना को नया बल प्रदान कर रहा है। मारिया मचाडो को मिला यह सम्मान केवल वेनेजुएला की जीत नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा करने वाले हर नागरिक की विजय है। भारत में भी इस पुरस्कार की गूंज सत्ता और विपक्ष,दोनों के गलियारों में सुनाई दी।कांग्रेस प्रवक्ता सुरेन्द्र राजपूत ने मचाडो और राहुल गाँधी की तस्वीर साझा करते हुए कहा कि 'वेनेजुएला में लोकतंत्र की रक्षा करने वाली मचाडो को नोबेल मिला,भारत में संविधान की रक्षा के लिए राहुल गाँधी संघर्ष कर रहे हैं।' इस टिप्पणी ने भारतीय राजनीति में नए विमर्श को जन्म दिया।सत्ता और विपक्ष के गलियारों में यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या भारत में लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करना ही आज का सबसे बड़ा सम्मान नहीं है? भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में राहुल गाँधी अब केवल एक विपक्षी नेता नहीं,बल्कि लोकतांत्रिक आत्मा के रक्षक और विचार के वाहक बनकर उभरे हैं।वे बार-बार यह कहते हैं -'राजनीति मेरे लिए सत्ता का माध्यम नहीं,बल्कि सत्य और न्याय की सेवा का मार्ग है।' पिछले एक दशक में उन्होंने संसद से लेकर सड़क तक,और नागरिक मंचों से लेकर संस्थानों तक हर स्थान पर आवाज उठाई,जहाँ उन्हें लगा कि लोकतंत्र की नींव कमजोर की जा रही है।उनका स्पष्ट मानना है कि 'लोकतंत्र केवल चुनाव नहीं,बल्कि जनता और सत्ता के बीच सत्य का संवाद है।' कानूनी चुनौतियों, व्यक्तिगत हमलों और तीखी आलोचनाओं के बावजूद राहुल गांधी ने नफरत के बजाय संवाद, टकराव के बजाय प्रेम और विभाजन के बजाय एकता की राह चुनी।यही दृष्टि उन्हें आज की राजनीति में विशिष्ट बनाती है।भारत जोड़ो यात्राः संवाद और संवेदना का आंदोलन - राहुल गांधी की 2022 में शुरू हुई, भारत जोड़ो यात्रा उनके राजनीतिक दर्शन का सशक्त उदाहरण है।यह यात्रा किसी चुनावी रणनीति से अधिक एक सामाजिक और नैतिक आंदोलन थी,जिसका उद्देश्य था भारत की विविधता को जोड़ना और विभाजन की राजनीति के बीच संवाद की संस्कृति को पुनर्जीवित करना।हजारों किलोमीटर की इस पदयात्रा में राहुल गाँधी ने आम जनता से सीधे संवाद किया-बेरोजगारी,महंगाई,सामाजिक असमानता,महिलाओं की सुरक्षा और किसानों की कठिनाइयों जैसे मुद्दों पर जनता की पीड़ा को सुना, महसूस किया और व्यक्त किया। जिस प्रकार महात्मा गाँधी ने नमक सत्याग्रह के माध्यम सेऔपनिवेशिक शासन को चुनौती दी थी,उसी तरह राहुल गांधी की यह यात्रा भी अहिंसक लोकतांत्रिक प्रतिरोध का प्रतीक बन गई। 'लोकतंत्र केवल सरकार बदलने का साधन नहीं, बल्कि दिलों और विचारों को जोड़ने की प्रक्रिया है।' उनका यह कथन लोकतंत्र की आत्मा को जीवंत करता है।गाँधीवादी विचारधारा के आधुनिक प्रतिनिधि -महात्मा गाँधी ने कहा था -'राजनीति का अर्थ है सेवा, न कि स्वार्थ।' राहुल गाँधी इस विचारधारा के आधुनिक प्रतिनिधि के रूप में देखे जा सकते हैं।उन्होंने अनेक अवसरों पर स्पष्ट कहा -'सत्ता मेरी प्राथमिकता नहीं है,मेरा कर्तव्य है संविधान और संस्थानों की रक्षा।'

संसद से अयोग्य ठहराए जाने के बाद भी उनका अडिग वक्तव्य था 'मुझे डराया नहीं जा सकता,क्योंकि मैं सत्य के साथ खड़ा हूँ।' जब कोई नेता अपने विशेषाधिकारों से अधिक अपने सिद्धांतों को प्राथमिकता देता है,तब वह केवल राजनेता नहीं, बल्कि विचार का प्रतीक बन जाता है।नोबेल शांति पुरस्कार का दर्शन और भारतीय आत्मा-नोबेल शांति पुरस्कार का दर्शन चार स्तंभों पर आधारित है-अहिंसा, सत्य, मानवाधिकार और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता।नेल्सन मंडेला,मार्टिन लूथर किंग जूनियर,आंग सान सू की, मलाला यूसुफजई जैसे महान नेताओं ने इसी मार्ग पर चलते हुए अपने समाजों में परिवर्तन लाया।मारिया मचाडो को मिला सम्मान उसी परंपरा का विस्तार है।कांग्रेस प्रवक्ता द्वारा राहुल गांधी की तुलना इसी दृष्टि से प्रतीकात्मक है-यह दशार्ता है कि लोकतंत्र की रक्षा केवल किसी एक राष्ट्र की नहीं, बल्कि मानवता की साझा चेतना की लड़ाई है।भारत और वेनेजुएला भले ही भौगोलिक रूप से भिन्न हों,परंतु संघर्ष का सार एक ही है -जनता की आवाज को सर्वोच्च रखना।21वीं सदी का लोकतंत्र अब केवल मत पेटी तक सीमित नहीं रह गया है।

जब सत्ता असहमति से डरने लगे, तब लोकतंत्र की आत्मा संकट में पड़ जाती है। राहुल गाँधी का यह कथन आज के समय में अत्यंत सार्थक है-'असहमति देशद्रोह नहीं,बल्कि लोकतंत्र की जीवनरेखा है।' उनका कहना है कि भारत की आत्मा सहिष्णुता, प्रेम और संवाद में बसती है।उनकी राजनीति में भावनाएँ कमजोरी नहीं,बल्कि नैतिक शक्ति हैं,क्योंकि लोकतंत्र का असली अस्तित्व संवेदना और करुणा में ही बसता है।लोकतंत्र के तीन स्तंभ -त्याग,सहनशीलता और संघर्ष -लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए तीन गुण आवश्यक हैं-त्याग, सहनशीलता और संघर्ष।भारतीय राजनीति के विश्लेषकों का मानना है कि राहुल गाँधी के राजनीतिक जीवन में ये तीनों गुण बार-बार दिखाई देते हैं।उन्होंने सत्ता की परवाह किए बिना संस्थागत अन्याय पर सवाल उठाए,आलोचनाओं के बीच भी संवाद बनाए रखा,और व्यक्तिगत हानि की कीमत पर भी लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की।ऐसे क्षणों में वे राजनीति से आगे बढ़कर एक वैचारिक प्रतीक बन जाते हैं।भारत की लोकतांत्रिक आत्मा और विश्व संदेश -यदि भारतीय संदर्भ में देखें, तो नोबेल शांति पुरस्कार की भावना भारत की आत्मा से गहराई से जुड़ी हुई है।भारत की स्वतंत्रता स्वयं एक अहिंसक संघर्ष का परिणाम थी।महात्मा गाँधी, रवीन्द्रनाथ टैगोर और डॉ. भीमराव अंबेडकर ने राजनीति में मानवता, समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित किया।यह वही दृष्टि है जो नोबेल शांति पुरस्कार के दर्शन में निहित है-जहाँ व्यक्ति नहीं,विचार का सम्मान किया जाता है।आज विश्व में लोकतंत्र एक नए संकट से जूझ रहा है-बहुमत सत्ता देता है,परंतु मूल्य समाज को दिशा देते हैं।राहुल गाँधी का संघर्ष इस सिद्धांत का प्रतीक है कि राजनीति केवल जनादेश नहीं,बल्कि जनविश्वास की भी परीक्षा है।उन्होंने कहा था -'यदि हम संविधान को नहीं बचा सके, तो कोई भी बहुमत हमें नहीं बचा पाएगा।' यह चेतावनी केवल भारत के लिए नहीं,बल्कि हर उस लोकतंत्र के लिए है,जहाँ सत्ता का केंद्रीकरण बढ़ रहा है और नागरिक स्वतंत्रताएँ सिकुड़ रही हैं। लोकतंत्र की उम्मीद की नई किरण- मारिया मचाडो को मिला नोबेल पुरस्कार वेनेजुएला की जीत मात्र नहीं,बल्कि हर उस नागरिक की जीत है जो सत्य बोलने का साहस रखता है।कांग्रेस का यह कहना कि 'राहुल गाँधी भी उसी पथ पर चल रहे हैं',इस बात का संकेत है कि भारत की राजनीति में आज भी विचार और विवेक का संघर्ष जीवित है।यदि भविष्य में कभी राहुल गांधी को लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिले,तो वह केवल उनकी व्यक्तिगतउपलब्धि नहीं होगी-बल्कि भारत की लोक तांत्रिक परंपरा की वैश्विक स्वीकृति होगी।राहुल गाँधी का राजनीतिक जीवन यह सिखाता है कि लोकतंत्र केवल संस्थाओं में नहीं,बल्कि जनता के दिलों में बसता है।उनका संघर्ष सत्ता के विरुद्ध नहीं,बल्कि अन्याय, असमानता और भय की राजनीति के विरुद्ध है।यही कारण है कि- 'भारतीय राजनीति में राहुल गाँधी भी लोकतंत्र के लिए लड़ते हुए, प्रजातंत्र के प्राण और प्रहरी बनकर, वैश्विक राजनीति के पटल पर जनता की उम्मीद की किरण बन गए हैं।'

मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अन्तर्गत अमरोहा पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण व जेंडर समानता पर भव्य कॉन्फ्रेंस का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के धनौरा में स्थित ब्लूबर्ड्स इंटरनेशनल स्कूल, में आयोजित हुआ कार्यक्रम, शिक्षाविदों व विशेषज्ञों ने विचार साझा किए। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति अमरोहा पुलिस की प्रतिबद्धता को नए आयाम प्रदान करते हुए को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में मिशन शक्ति फेजझ5.0 के तहत ॒महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और जेंडर मुद्दों पर क्षेत्रीय कॉन्फ्रेंस एवं कार्यशाला॑ का भव्य आयोजन ब्लूबर्ड्स इंटरनेशनल स्कूल, धनौरा (अमरोहा) में किया गया। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद के कुलपति सचिन महेश्वरी कार्यक्रम अध्यक्ष रहे । कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। विद्यालय की छात्राओं द्वारा मिशन शक्ति की भावना पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियाँ दी गईं। शास्त्रीय नृत्य में पारंगत अंतर्राष्ट्रीय कलाकर अनुपमा कौशिक द्वारा मिशन शक्ति की भावना पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गयी । नृत्य ने उपस्थित सभी अतिथियों का मन मोह लिया। छात्राओं की प्रस्तुतियों ने न केवल समाज में महिला सम्मान और सुरक्षा का सशक्त संदेश दिया, बल्कि ॒सशक्त नारी झ सशक्त भारत की भावना को भी जीवंत कर दिया। कांफ्रेस में अमरोहा एवं आसपास के जनपदों के साथ-साथ दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, बुलन्दशहर, मुरादाबाद, मेरठ और काशीपुर से आईं महिलाओं ने भाग लिया, जो शिक्षा, प्रशासन, बैंकिंग, चिकित्सा, मानसिक स्वास्थ्य, साइबर सिक्योरिटी, उद्योग जगत और आईटी जैसे विभिन्न क्षेत्रों से भी महिलाओं को बुलाया गया था । इसके साथ ही अमरोहा में स्थित बालिकाओं के छात्रावासों का संचालन करने वाली प्रबंधको को भी महिला सुरक्षा के विषय में आ रही चुनौतियों और सुझावों पर अपने विचार साझा करने के लिये आमंत्रित किया गया । सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को चलाने वाली महिलाएं भी कांफ्रेंस का हिस्सा बनी । क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजलि कटारिया (PPS) ने मिशन शक्ति के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह अभियान केवल महिलाओं के अधिकारों का नहीं, बल्कि उनके आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इसके उपरांत अपर पुलिस अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी, मिशन शक्ति अखिलेश भदौरिया (PPS) ने मिशन शक्ति अभियान की प्रगति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि अब पुलिस केवल कानून-व्यवस्था की नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की वाहक बन रही है। तत्पश्चात कार्यक्रम अध्यक्ष गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद के कुलपति सचिन महेश्वरी ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा कि जेंडर समानता केवल विचार नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन की आवश्यकता है। IGNOU की डिप्टी रीजनल डायरेक्टर अंजना ने महिलाओं के संवाद व विधान सभाओं में और अधिक योगदान की आवश्यकता पर बल दिया तथा कहा कि महिलाओं का प्रतिनिधित्व विधायिका में और अधिक बढ़ाए जाने की आवश्यकता है । साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट सुश्री पाखी गर्ग जो कि उत्तराखंड से आई थी उन्होंने महिलाओं की ऑनलाइन स्पेस में सुरक्षा के संबंधी विषय पर सेशन लिया साइबर अपराध का सर्वाधिक शिकार महिलाएं होती हैं उन्होंने अपील की कि वे सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म के लिए अलग-अलग पासवर्ड रखें और नियमित पासवर्ड बदलें ' यशोदा हॉस्पिटल गाजियाबाद से आई क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. शोभा शर्मा ने महिला सुरक्षा के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला और मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर विचार प्रस्तुत किए । इसके अतिरिक्त उद्योग जगत से आई सीनियर मैनेजर उछ गुप्ता सुश्री सुनीता यादव और मेरकंडीज मैनेजर उछ गुप्ता सुश्री हरप्रीत कौर ने उद्योग जगत में महिलाओं की भागीदारी और सुरक्षा के विषय पर चर्चा की । एसबीआई सीनियर बैंक मैनेजर स्नेहा और प्रथमा बैंक से आई सीनियर बैंक मैनेजर नीलम यादव ने बैंकिंग क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और साथ में महिलाओं की वित्तीय/आर्थिक सुरक्षा को स्वावलंबन से जोड़ते हुए भारतीय परिवेश में महिलाओं के वित्तीय क्षेत्र के समावेश को लेकर महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। अमरोहा कंज्यूमर कोर्ट की मजिस्ट्रेट श्रीमती अंजू दीक्षित ने भी उपभोक्ता जागरूकता और सुरक्षा की दृष्टिकोण से महिला सुरक्षा के विषय पर अपने मत साझा किये । कॉन्फ्रेंस में उपस्थित अन्य प्रभावशाली महिलाएं जिन्होंने प्रतिभाग किया। डॉ. बीना रुस्तगी (उप प्राचार्या, जे.एस. हिन्दू पी.जी. कॉलेज, अमरोहा) डॉ. शशि शर्मा पूर्व प्राचार्य एवं प्रोफेसर डीएवी पीजी कॉलेज मुजफ्फरनगर, डॉ. सुषमा राठी (प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ, मुरादाबाद) डॉ. स्वाति मिश्रा (सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, बुलन्दशहर) ने भी प्रतिभाग किया और महिला सुरक्षा पर अपने अपने विचार प्रकट किये। अतिथियों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। तत्पश्चात विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों से आए शोधार्थियों व पीएचडी स्कॉलर्स ने महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता एवं डिजिटल युग की चुनौतियों पर पेपर एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए, जिन्हें सभी शिक्षाविदों ने सराहा।

कॉन्फ्रेंस में विभिन्न विश्वविद्यालयों से आई शोधार्थिनियों और स्कॉलर्स ने महिला सुरक्षा, जेंडर समानता, मानसिक स्वास्थ्य एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित अपने शोध और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। क्क्ळ कानपुर, जामिया मिलिया इस्लामिया (दिल्ली), कोटा, राजस्थान एवं मेरठ से आए प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट शोध कार्यों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर सारगर्भित प्रस्तुतियाँ दीं। समापन सत्र में उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा वोट ऑफ थैंक्स प्रस्तुत किया गया। पूरे कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण का उत्साह और जोश वातावरण में स्पष्ट रूप से झलकता रहा।

साइबर ठगी का शिकार हुए पीड़ित के पुलिस ने वापस कराए रुपये

अपने बैंक खाते की जानकारी किसी को साझा न करें पुलिस ने की अपील

मंडी धनौरा/अमरोहा(सब का सपना):- पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ एक बार फिर अपनी तत्परता और प्रभावी कार्रवाई का परिचय दिया है। मण्डी धनौरा निवासी विशाल पुत्र उमेश के बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी कर 1,000 रुपये ट्रांसफर किए जाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरी राशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी। विशाल ने 28 अगस्त को साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज की थी कि उनके बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी कर 1,000 रुपये निकाल लिए। शिकायत मिलने पर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद ने थाना मण्डी धनौरा साइबर सेल और थाना साइबर क्राइम टीम को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी धनौरा के नेतृत्व में मण्डी धनौरा साइबर सेल और अमरोहा साइबर क्राइम टीम ने संयुक्त रूप से जांच शुरू की। टीम की त्वरित और समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप 12 अक्टूबर को पीड़ित विशाल के बैंक खाते में 1,000 रुपये वापस करा दिए गए। राशि वापस पाकर विशाल ने खुशी जाहिर की और थाना मण्डी धनौरा कार्यालय पहुंचकर अमरोहा पुलिस, साइबर सेल और पुलिस अधीक्षक की कार्यशैली की जमकर सराहना की। उन्होंने पुलिस को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी त्वरित कार्रवाई ने न केवल उनकी राशि वापस दिलाई, बल्कि आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास भी बढ़ाया। अमरोहा पुलिस की जनता से अपील अमरोहा पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने बैंक खाते, ओटीपी, पासवर्ड या अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साथ ही, लुभावने ऑफर या अपरिचित लिंक और एप्लिकेशन के जरिए बिना जांच-पड़ताल के भुगतान करने से बचें, क्योंकि यह साइबर ठगी का तरीका हो सकता है। पुलिस ने लोगों से जागरूक रहने और अपने आसपास के लोगों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया है। अमरोहा पुलिस की इस कार्रवाई ने एक बार फिर साइबर अपराध के खिलाफ उनकी प्रतिबद्धता को दशार्या है।

गजरौला के SRS इंटरनेशनल स्कूल में इंटर हाउस खो-खो चैम्पियनशिप का समापन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- एस.आर.एस. इंटरनेशनल स्कूल में आज अंडर-17 इंटर हाउस खो-खो चैम्पियनशिप का आयोजन खेल भावना, अनुशासन और जोश के साथ संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 9 एवं 11वीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय के चारों हाउस आर्यभट्ट, भास्कर, रोहिणी और कल्पना की टीमों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया।रोमांच और प्रतिस्पर्धा का संगम‹बालक वर्ग में पहला मुकाबला कल्पना हाउस कप्तान मयंक, कक्षा 11 और भास्कर हाउस कप्तान अर्शद, कक्षा 11 के बीच खेला गया, जिसमें भास्कर हाउस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। दूसरा मुकाबला रोहिणी हाउस कप्तान दिव्यांश, कक्षा 11और आर्यभट्ट हाउस कप्तान राघव, कक्षा 11 के बीच हुआ, जो पूरे दिन का सबसे रोमांचक मैच रहा। इस मैच में रोहिणी हाउस ने शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की।बालिका वर्ग में कल्पना हाउस कप्तान झ अवंतिका, कक्षा 9ने आर्यभट्ट हाउस कप्तान देवांगी, कक्षा 8को हराया, वहीं भास्कर हाउस कप्तान शिवांगी, कक्षा 11 ने रोहिणी हाउस कप्तान गुंजन चौधरी, कक्षा 11पर विजय प्राप्त की।इन जीतों के साथ भास्कर और रोहिणी बालक वर्ग तथा भास्कर और कल्पना बालिका वर्गकी टीमें आगामी वार्षिक खेल महोत्सव के फाइनल मुकाबले के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं।दिन का सबसे चर्चित मुकाबला रोहिणी हाउस बनाम आर्यभट्ट हाउस बालक वर्ग के बीच खेला गया। शुरूआत में आर्यभट्ट हाउस ने मजबूत पकड़ बनाई, लेकिन दूसरे हाफ में रोहिणी हाउस के खिलाड़ियों ने जबरदस्त रणनीति और टीमवर्क दिखाते हुए मैच पलट दिया। रोहिणी हाउस ने 20झ11 के स्कोर से जीत दर्ज की। इस मैच ने मैदान में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया और इसे पूरे आयोजन का टॉक ऑफ द डे बना दिया।इस मुकाबले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे भरत सिंह, राघव, दिव्यांश, प्रिंस, यश चौहान, दक्ष शर्मा, और हर्षित।बालिका वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी शिवांगी, अवंतिका, परि चाहल और याशी यादव रहे।मैच के रेफरी विद्यालय के खेल प्रशिक्षक श्री सुधीर सिंह एवं संदीप यादव रहे, जबकि स्कोरिंग का कार्य सपोर्ट्स कोच जतिन कुमार सद्वारा किया गया।ऊर्जावान कॉमेंट्री विकास कौशिक एवं सुश्री तनिशा वर्मा द्वारा की गई, जिन्होंने खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों में जोश का संचार किया।कार्यक्रम का उद्घाटन एवं टॉस विद्यालय के निदेशक पुनीत सिंह, प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र चतुर्वेदी एवं कोऑर्डिनेटर साक्षी सिंह द्वारा किया गया।विद्यालय निदेशक पुनीत सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा॒जीत या हार से अधिक महत्वपूर्ण है खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क। सच्चा खिलाड़ी वही है जो हर परिस्थिति में पूरे समर्पण के साथ खेलता है।॑उन्होंने सभी टीमों की प्रशंसा करते हुए आगामी फाइनल मुकाबलों के लिए शुभकामनाएँ दीं।दर्शक दीर्घा में कक्षा 6 से 9 और 11वीं के सभी विद्यार्थी तथा संबंधित हाउसों के शिक्षकगण उपस्थित रहे। जयकारों, तालियों और उत्साह से भरे माहौल ने प्रतियोगिता को और भी यादगार बना दिया।यह आयोजन विद्यार्थियों में नेतृत्व, अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना के विकास का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा कि खेलों से छात्रों में प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की भावना भी विकसित होती है।

विधवा महिला ने दबंगों पर लगाया जमीन कब्जा करने का आरोप

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- एक महिला ने कुछ दबंग लोगों पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर जमीन कब्जा मुक्त करने की मांग की है। जानकारी के मुताबिक गजरौला के मोहल्ला बुध बाजार शास्त्री गली निवासी सरोज गर्ग स्वर्गीय अर्जुन गर्ग ने बताया कि कुछ दिन पूर्व उसके पति की मृत्यु हो गई थी जिसके बाद वह अपने बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। महिला का आरोप है कि इससी बीच एक दबंग व्यक्ति अजीम परवेज निवासी अमरोहा ने महिला का मकान का ताला तोड़कर अपने प्लॉट में सम्मिलित कर लिया है। सूचना मिलने पर महिला अपने प्लॉट पर पहुंची और अपनी जमीन पर टीन सेड डाल दिया, महिला का आरोप है की कुछ दिन पूर्व आधा दर्जन से अधिक दबंगों ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की थी। महिला ने बताया कि अजीम परवेज की पत्नी ने मजदूर बुलाकर जमीन पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही सरोज मौके पर पहुंची और पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। कस्बा इंचार्ज जोगिंदर सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों पर जमीन का बैनामा है मामले में जांच की जा रही है।

जिला उपाध्यक्ष द्वारा चलाया गया सदस्यता अभियान

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):-तहसील क्षेत्र के ग्राम जयतोली में साप्ताहिक सदस्यता अभियान के अंतर्गत प्रथम दिन से ही भारतीय किसान यूनियन (भानु) संगठन में डॉक्टर हाशिम के नेतृत्व में सदस्यता अभियान चलाकर लोगो को सदस्यता दिलाई व जागरूक किया जा रहा है। बता दें, कि ग्राम जयतोली में स्थित जनता क्लिनिक स्वामी डॉक्टर हाशिम द्वारा डॉ. हरिओम चौहान, प्रोफेसर दीपांशु व अन्य लोगो को सदस्यता ग्रहण कराई। संगठन के बारे में विस्तार पूर्वक बताया बताया।इस अवसर पर साहिल चौधरी, फिरोज चौधरी, डॉक्टर लवकुश कुमार प्रधान, व भारी मात्रा में लोग उपस्थित रहे।

दीदी की दुकान को यूनिसेफ ने अपनी वेबसाइट पर किया लांच

जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में आयोजित सामुदायिक सहभागिता बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- महिला सशक्तिकरण की दिशा में जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन द्वारा गजरौला से शुरू किए गए फ्रेशर प्रोजेक्ट दीदी की दुकान को यूनिसेफ ने अपनी वेबसाइट पर लांच किया है। यूनिसेफ द्वारा पूरे विश्व में इस प्रोजेक्ट को स्वीकार करना एक बड़ी उपलब्धि है और इसके लिए सीएसआर विंग बधाई की पात्र है। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और समाजसेवा के क्षेत्र में जुबिलेंट की यह यात्रा अनवरत जारी रहेगी। बता दें कि शनिवार को जुबिलेंट के आफीसर्स क्लब में आयोजित बैठक का शुभारंभ यूनिट हेड विनोद झा ने आमंत्रित प्रबुद्धजनों के संग दीप प्रज्जवलित करके किया। मोहल्ला नाईपुरा स्थित प्राथमिक विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गान प्रस्तुत किया। यूनिट हेड ने कंपनी द्वारा सीएसआर के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की बिंदुवार जानकारी दी। बताया कि जुबिलेंट शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, रोजगार आदि के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही है। ओपन सेशन में शिक्षक भारतभूषण अग्रवाल ने इंटर कालेजों में आपदा प्रबंधन के उपायों के लिए कार्यक्रम करने का सुझाव दिया। वहीं रिटायर्ड एडीओ खड़ग सिंह ने पशुओं में होने वाले थनैला आदि रोगों की रोकथाम के लिए गांवों में जाने वाले पशु मित्रों को दवाएं मुहैया कराने का सुझाव दिया। निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि सीएसआर टीम शीघ्र ही इस पर कार्य शुरू करेगी। उन्होंने कंपनी को लेकर अफवाहों से भी सावधान रहने को कहा। बताया कि कंपनी सेफ्टी और पर्यावरण संरक्षण को लेकर पूरी तरह गंभीर है। सीएसआर कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव ने बताया कि जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन द्वारा नवंबर माह के प्रथम सप्ताह से पशु मित्रों को प्रशिक्षण देने की शुरूआत की जाएगी। इससे पशुपालकों को काफी फायदा पहुंचेगा। मेडिकल हेड डा, सुजिंदर फोगाट ने कंपनी की स्वास्थ्य सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में कंपनी के फायर सेफ्टी विभाग ने आग लगाकर उसे बुझाने का प्रदर्शन किया। बैठक में आमंत्रित लोगों ने कंपनी की समाजसेवा की प्रशंसा भी की। संचालन तिगरिया खादर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक डा. पृथी सिंह ने किया। इस मौके पर सेफ्टी हेड रबिंद्र झा, प्रताप महापात्र, पुनीत तिवारी, अनुपम सिंह, कृपाल सिंह, गिरिराज सिंह, भूरे खां, तेजवीर सिंह अलूना, रामवीर गूर्जर, रविराज सिंह, नवीन गर्ग, हाजी अब्दुल सलाम, श्यौनाथ सिंह प्रजापति. देवेंद्र पाल शर्मा, रमेश चंद्र प्रशांत,सभासद सुभाष सैनी, संजीव अग्रवाल, महिला अग्रवाल सभा की अध्यक्ष विनीता गर्ग, ऋषिबाला अग्रवाल, रीता यादव आदि के साथ ही सीएसआर के चंदन प्रसाद, बूंदी सिंह, साजिद पाशा, नासिर खान, उस्मान, राहुल आदि मौजूद रहे।

आरडीएच फाउंडेशन कर रहा गरीब परिवारों की मदद

हर दिन गांव गांव जाकर गरीब परिवारों में जरूरत के अनुसार सामान वितरित

हापुड (सब का सपना):- आरडीएच फाउंडेशन परिवार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरी क्षेत्र तक गरीबी मिटाने का निर्णय लिया गया है। आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा हर दिन गरीब परिवारों के लिए आवश्यकता अनुसार सामान वितरित किया जाता है। जिसमें वाशिंग मशीन, फ्रिज, कूलर, एसी, सिलाई मशीन, घर का राशन, शिक्षा सामग्री, कपड़े, नगद राशि भी आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा गरीब परिवारों में दी जाती है। इतना ही नहीं आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा गरीब परिवारों को मकान बनाने के लिए भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा हर दिन गरीबी मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में आरडीएच फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा गरीब परिवारों की महिलाओं को सिलाई मशीन देकर उन्हें आर्थिक सहयोग दिया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह उपराष्ट्रपति अध्यक्ष रोहित राजपूत राष्ट्रीय सलाहकार रतन सिंह, राष्ट्रीय सचिव मोहित चौहान,राष्ट्रीय निर्देशक बरन सिंह, राष्ट्रीय निर्देशक मांगे सिंह, राष्ट्रीय निर्देशक अशोक सिंह ,राष्ट्रीय निर्देशक कैलाश , दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, दिल्ली सलाहकार कुलदीप सिंह , दिल्ली महिला प्रदेश अध्यक्ष जौली चौहान, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राकेश चौहान उप उतर प्रदेश अध्यक्ष मोनू चौहान पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रोहित सिंह, पश्चिम उप उत्तर प्रदेश अध्यक्ष हीर प्रकाश गुप्ता मेरठ महिला अध्यक्ष अनीता केवट, मेरठ जिला अध्यक्ष सविता प्रजापति, हापुड़ जिला अध्यक्ष सतपाल सिंह, उतर प्रदेश महिला अध्यक्ष रीना राजपूत अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष राजपाल सिंह उप अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष मनीष राजपूत ग्राम अध्यक्ष छोटी अंजली राजपूत ग्राम अध्यक्ष अंजली राजपूत ग्राम अध्यक्ष सायपुर सरिता देवी, हापुड़ महिला अध्यक्ष बिजेंद्री देवी बागपत जिला अध्यक्ष सुंदरी शर्मा, गजरौला अध्यक्ष विकास चौहान, हसनपुर अध्यक्ष नरेश सिंह, समलल अध्यक्ष दिनेश सिंह,उप हापुड़ जिला अध्यक्ष हरि शरण प्रजापति, मध्य प्रदेश अध्यक्ष निशु चौहान, गोरखपुर मंडल अध्यक्ष बृजलाल कीर्ति माला , उप मध्य प्रदेश मुकेश वर्मा, गाजियाबाद जिला अध्यक्ष प्रेम चंद सिंह, बुलन्दशहर महिला जिला अध्यक्ष हेमलता,उप बुलन्दशहर महिला अध्यक्ष अध्यक्ष पूनम चौहान, बागपत उपजिला अध्यक्ष रिंकी शर्मा, बागपत जिला अध्यक्ष राजीव शर्मा, ब्रजघाट अध्यक्ष नरेश कुमार, ग्राम सिलपुर अध्यक्ष प्रीती चौहान, तालिश अध्यक्ष अमित चौहान, लोनी ताशील अध्यक्ष अनिल कुमार, बाबूगढ़ महिला अध्यक्ष गुड़िया सिंह, बाबूगढ़ अध्यक्ष हरीश कुमार , मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष जाकिर खान, मुरादाबाद जिला अध्यक्ष संदीप चौहान अमरोहा जिला अध्यक्ष आकाश चौहान रामपुर जिला अध्यक्ष आलोक चौहान महाराष्ट्र महिला अध्यक्ष पूजा चौहान गुलाबटी अध्यक्ष फरीन, गीता सैनी मौजूद रहे।

सुलह समझौता केंद्र के माध्यम से तेरह परिवार हुए फिर से एक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग सेल प्रभारी डा रुकम पाल सिंह की देखरेख में पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में संपन्न हुई जिसमें पति-पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास काउंसलरो द्वारा किया गया जहां कुल 145 पत्रावली सुनकर 41 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तो वहीं 13 परिवारों को मिलाया गया तथा 9 पत्रावलियों में विधिक कार्यवाही करने तथा 19 पत्रावली न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट संगीता भार्गव श्वेता गुप्ता बबीता शर्मा सीमा आर्य कंचन माहेश्वरी कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत ज्योति आदि लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का सम्भल में आयोजन, 2828 मरीजों का हुआ नि:शुल्क उपचार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को 222वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर किया गया। इस मेले में 36 चिकित्सकों और 122 पैरा-मेडिकल स्टाफ ने मिलकर 2828 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया। मेले के दौरान आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के तहत 165 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड और 231 आभा आई.डी. बनाए गए। विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीजों का उपचार किया गया, जिनमें बुखार के 256, चर्म रोग के 427, दमा के 307, मधुमेह के 77, नेत्र रोग के 16, उच्च रक्तचाप के 63 और अन्य रोगों से संबंधित मरीज शामिल थे। बुखार के 74 मरीजों की मलेरिया और 24 मरीजों की डेंगू जाँच की गई, जिसमें सभी की रिपोर्ट नकारात्मक रही। सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन के लिए अलग से काउंटर स्थापित किए गए, जहाँ परामर्श और सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) उपलब्ध कराई गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर आशा कार्यकताओं ने सोर्स रिडक्शन, संचारी रोगों से बचाव के लिए जागरूकता फैलाई और एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 242 व्यक्तियों को तंबाकू छोड़ने की सलाह दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक सहित जनपद और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने मेले का निरीक्षण किया। मेले ने स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नवनिर्मित पुलिस चौकी महमूदपुर माफी का हुआ उद्घाटन

संभल(सब का सपना):- कानून और शांति व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा आमजन को त्वरित पुलिस सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से मुरादाबाद और संभल जिले की सीमा पर थाना मैनाठेर (मुरादाबाद) और थाना हजरतनगरगढ़ी (संभल) क्षेत्र में नवनिर्मित पुलिस चौकी महमूदपुर माफी का उद्घाटन किया गया। इस चौकी का शुभारंभ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मुरादाबाद सतपाल अंतिल और पुलिस अधीक्षक (एसपी) संभल कृष्ण कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की भावना को आगे बढ़ाते हुए इस अवसर पर महमूदपुर माफी की स्थानीय छात्राओं द्वारा फीता काटकर चौकी का उद्घाटन कराया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मुरादाबाद कुँवर आकाश सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षक (क्षेत्राधिकारी) संभल आलोक कुमार, गणमान्य नागरिक और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। यह नवनिर्मित पुलिस चौकी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को त्वरित पुलिस सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने इस पहल को क्षेत्र की सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

मैराथन दौड़ से सड़क पर भारी जाम, फंसी एम्बुलेंस, पुलिस ने संभाला मोर्चा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र में वेयर हाउस के सामने शनिवार को आयोजित एक मैराथन दौड़ के कारण सड़क के एक हिस्से को बंद कर दिया गया, जिसके चलते दूसरी ओर वाहनों की आवाजाही में भारी समस्या उत्पन्न हुई। मंडी समिति के पास होने की वजह से किसानों की धान से लदी ट्रॉलियों की लगभग एक किलोमीटर लंबी कतार लग गई, जिससे सड़क पर भीषण जाम की स्थिति बन गई। इस जाम ने न केवल स्थानीय लोगों और किसानों को परेशान किया, बल्कि एक एम्बुलेंस भी इस भीड़ में फंस गई। एम्बुलेंस का सायरन लगातार बजता रहा, लेकिन भारी जाम के कारण वह आगे नहीं बढ़ पाई, जिससे मरीज के लिए समय पर अस्पताल पहुंचना मुश्किल हो गया।स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए मौके पर मौजूद यातायात पुलिस के प्रभारी दुष्यंत बालियान ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। उन्होंने अपनी टीम के साथ मिलकर कड़ी मशक्कत के बाद जाम को हटवाया और एम्बुलेंस को सुरक्षित रास्ता प्रदान किया। इस दौरान पुलिस ने वाहनों को व्यवस्थित करने और ट्रैफिक को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एम्बुलेंस के बाहर निकलने के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन इस घटना ने मैराथन जैसे आयोजनों के दौरान यातायात प्रबंधन की खामियों को उजागर कर दिया। स्थानीय किसानों और राहगीरों ने बताया कि मंडी समिति क्षेत्र में पहले से ही वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है, और ऐसे में सड़क का एक हिस्सा बंद करना स्थिति को और जटिल बना देता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में इस तरह के आयोजनों से पहले बेहतर यातायात योजना बनाई जाए ताकि आम जनता और आपातकालीन सेवाओं को परेशानी न हो। यातायात पुलिस के प्रभारी दुष्यंत बालियान के त्वरित और प्रभावी प्रयासों की स्थानीय लोगों ने सराहना की, लेकिन साथ ही उन्होंने प्रशासन से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की।

समस्त थानों की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति फेज-05' अभियान

महिलाओं एवं बलिकाओं को वितरित किये गये पम्पलेट हेल्पलाइन नम्बरों से कराया अवगत

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओंबालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में 12 अक्टूबर को जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही ह्लमिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

सपाईयों ने लोकनायक जय प्रकाश नारायण के चित्र पर माल्या अर्पण कर उन्हें किया याद

बहजोई/सभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की बैठक जिलाधिकारी कार्यालय के पास कैंप कार्यालय समाजवादी पार्टी बहजोई पर संपन्न हुई बैठक में जिला अध्यक्ष जिला महासचिव एवं सभी पदाधिकारी कार्यकताओं ने समाजवादी नेता लोकनायक जय प्रकाश नारायण के चित्र पर माल्या अर्पण कर उन्हें याद किया गया बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा समाजबादी नेता स्वतंत्रता सेनानी राजनेता लोकनायक जयप्रकाश 1970 में उन्होंने आपातकाल में विपक्ष का नेतृत्व किया उन्होंने संपूर्ण क्रांति आंदोलन चलाया उन्होंने सरकार के खिलाफ लगातार संघर्ष किया वह देश में समाजवाद की स्थापना करना चाहते थे आज लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर संकल्प लेकर समाजवादी कार्यकताओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में संघर्ष कर देश- प्रदेश की भाजपा सरकार को हटा कर देश प्रदेश में समाजवादी सरकार लाने का काम करना चाहिए जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा समाजवादी नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण का संघर्ष हमेशा वंचित दलित अल्पसंख्यक गरीबों कमजोर लोगों के साथ रहा उन्होंने समय-समय पर देश और जनता के लिए आंदोलन किये बैठक में विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव जिला उपाध्यक्ष शोभित कुमार काका जिला सचिव निसार अहमद नगर अध्यक्ष सदाम कुरेशी जिला अध्यक्ष प्रबुद्ध सभा कमल शर्मा जिला उपाध्यक्ष लोहिया वाहिनी मनोज शर्मा नगर अध्यक्ष व्यापार सभा चेतन गुप्ता आसिफ इकवाल पतीक नानू रवि शंखधार,शिवम यादव,बबन मौर्य, तसलीम,अश वरनवाल, सौरय शर्मा,हाजी तसदुक सिरसी, नेताजी लाइक सिह यादव, अकिल,आदि उपस्थित रहे बैठक की अध्यक्षता असगर अली अंसारी एवं संचालन कृष्ण मुरारी शखधार ने किया

मैराथन दौड़ का भव्य आयोजन, महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण पर जोर

छात्राओं को शील्ड और नकद पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपद सम्भल में मिशन शक्ति 5.0 के तहत एक भव्य मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाधिकारी सम्भल डॉ. राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार ने किया। मैराथन को वार्ष्णेय इंटर कॉलेज चौराहे से जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दौड़ वार्ष्णेय इंटर कॉलेज चौराहे से शुरू होकर बड़ा मैदान कल्की महोत्सव स्थल पर सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में विशेष रूप से स्कूली छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौड़ का मुख्य उद्देश्य समाज में महिला सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता का संदेश प्रसारित करना तथा आमजन में जागरूकता और सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करना था। दौड़ के दौरान विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और महिला अपराधों के प्रति जागरूकता के लिए पम्पलेट भी वितरित किए गए। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल सरकारी नीतियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी से ही यह संभव है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने जोर देकर कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना को भी मजबूत करते हैं। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा, क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक कुमार सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। मैराथन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को शील्ड और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को नए जूते भी भेंट किए गए। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा के प्रति समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

अमरोहा ट्रेड फेयर के दूसरे दिन कृषक गोष्ठी का हुआ आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- अमरोहा ट्रेड फेयर 2025 के अन्तर्गत नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल (ऑयल सीड्स) एंव प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाईजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ क्राप रेजिड्यू योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 में पराली प्रबन्धन हेतु जनपद स्तरीय जन जागरुकता कार्यक्रम एवं रबी तिलहन मेला एवं किसान गोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लो ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरेंद्र सिंह ढिल्लो, ब्लॉक प्रमुख धनौरा आशा चंद्रा, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद धनौरा प्रवीण अग्रवाल, जिला महामंत्री अभिनव कौशिक, हरपाल

सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष बृजेश चौधरी, महामंत्री पूरन सैनी, मण्डल अध्यक्ष, राकेश वर्मा, उपाध्यक्ष भूप सिंह बेनीवाल, विकास, अमित सैनी सहित संबंधित अधिकारी एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके बाद सभी अतिथियों ने फेयर में लगे सभी स्टॉल का बारीकी से अवलोकन किया और स्वदेशी उत्पादों के बारे में जानकारी ली। शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लो ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार की मंशा माननीय प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत बनाने की है, जिसमें स्वदेशी को रोजमर्रा के जीवन में अपनाना जरूरी है। इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। प्रधानमंत्री के नारों–वोकल फॉर लोकल, वोकल फॉर ग्लोबल,

स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, और डिजिटल इंडिया–का उद्देश्य स्वयं को आगे बढ़ाना, रोजगार सृजन करना, और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना है। उन्होंने कहा कि किसान अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, इसलिए जैविक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें, राष्ट्रीय भावना को सर्वोपरि रखें, और देश के विकास में योगदान दें। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सभी जनपदवासियों से फेयर में अपने परिवार के साथ आने का आह्वान किया और दीपावली की खरीदारी स्वदेशी उत्पादों से ही करने की बात कही। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद धनौरा प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत का सपना स्वदेशी अपनाने के साथ उनका प्रचार प्रसार करने से होगा। ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लो ने उपस्थित सभी से आह्वान फेयर में स्वदेशी उत्पाद खरीदें अगर किसी को उपहार दें तो स्वदेशी उत्पाद दें और जीएसटी का लाभ उठाएं। जिला महामंत्री अभिनव कौशिक ने जिला प्रशासन की भव्य आयोजन के लिए प्रशंसा की। कहा कि मेले के जरिए आपसे चर्चा का मौका मिला। प्रधानमंत्री का संकल्प 2047 को विकसित बनाने का स्वदेशी अपनाने से ही होगा। ब्लॉक प्रमुख धनौरा आशा चन्द्रा ने सभी किसानों को ऑर्गेनिक खेती करने के लिए प्रेरित किया। किसानों को सरसों मिनी किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर उप निदेशक कृषि डॉ0 रामप्रवेश, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैश्य समाज उत्तर प्रदेश (संगठन) ने आयोजित किया मिलन समारोह

मिलन समारोह में समाज की एकता और सहयोग पर जोर

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- बैश्य समाज उत्तर प्रदेश (संगठन) द्वारा बिहारी लाल आरोग्य सदन चंदौसी में मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9 बजे हुआ जिसमें जिले और नगर के पदाधिकारी एवं सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि भुवनेश वार्ष्णेय और राहुल अग्रवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीपेश गुप्ता ने की। नगर अध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल, नगर कोषाध्यक्ष विकास मेंथा तथा लोकेश वार्ष्णेय, वीरेश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, अभिजीत, मानव, लवित वार्ष्णेय सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने समाज में आपसी एकता, भाईचारे और सहयोग की भावना को सशक्त बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में जलपान की व्यवस्था की गई।

उप्र किसान सभा का एक दिवसीय 7 वाँ जिला सम्मेलन संपन्न

संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश किसान सभा का एक दिवसीय 7 वाँ जिला सम्मेलन कसया नगर स्थित निरंकारी इंटरमीडिएट कालेज के कामरेड स्व. राघवेंद्र सिंह सभागार में सम्पन्न हुआ। जिसमें 21 सदस्यीय कार्यकारणी का गठन किया गया। स्वामीनाथन आयोग के सी टू + 50 प्रतिशत फामूर्ले के तहत फसलों का मूल्य तय करने की मांग सरकार से की गई। आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ संगठन के झंडारोहण और शहीद किसान आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संगठन के राष्ट्रीय नेता साधु शरण ने कहा कि सरकार की नीतियों के चलते किसानों की हालत बदतर होती जा रही है। खेती में लगातार लागत बढ़ने से किसान कर्ज में डूबता जा रहा है। सरकार उद्योगपतियों और कार्पोरेट का कर्ज माफ कर रही है लेकिन किसानों का कर्ज माफ नहीं कर रही है। धान का मूल्य 3150 और गन्ने का मूल्य सरकार बढ़ाए। केंद्रीय नेता साधु शरण ने आह्वान किया कि अपने हक और अधिकार के लिए एकजुट हो संघर्ष के लिए आगे आएं। संचालन कर रहे माकपा के जिला सचिव का. अयोध्या लाल श्रीवास्तव ने कहा कि इस वर्ष मिट्टी के खाद का दाम 600 रुपए प्रति कुंतल बढ़ा दिया गया है। कुशीनगर जनपद में घटिया धान का बीज सरकारी बीज केंद्रों से किसानों को दिया गया। जिसके चलते किसानों को भारी क्षति हुई है। सरकार सर्वे कराकर किसानों को फसल क्षतिपूर्ति दे। जिला मंत्री ने तीन वर्ष का लेखा रिपोर्ट प्रस्तुत किया जिसे बहस के बाद पारित कर दिया गया। नई कार्यकारणी में जवाहर शर्मा अध्यक्ष, मोहम्मद इदरीश मंत्री चुने गए। जबकि उपाध्यक्ष अयोध्यालाल श्रीवास्तव और गेंदा सिंह चुने गए। इस दौरान किसान सभा के सदस्य गण मौजूद रहे।

मंत्री धर्मवीर प्रजापति, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग स्वतंत्र प्रभार का आगमन

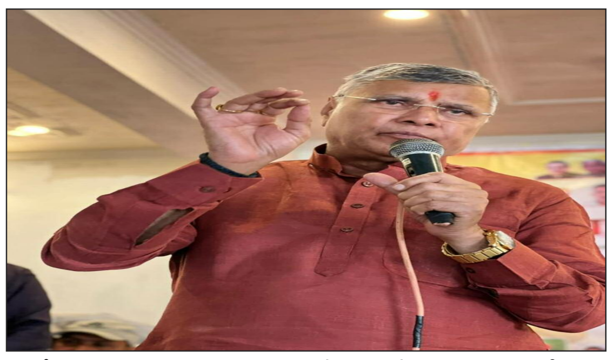

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के एक निजी बैंकेट हाल में मंत्री धर्मवीर प्रजापति, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग स्वतंत्र प्रभार का आगमन हुआ । मंत्री ने प्रजापति समाज को एकजुट रहने हेतु जागृत किया प्रजापति समाज के लोगों को जागृत करते हुए उन्होंने कहा कि आप लोगों को घर से निकलकर आगे बढ़ना चाहिए और अपनी पहचान बनानी चाहिए समाज को आगे बढ़ आना चाहिए अपनों को सम्मान देना चाहिए अपने साथ सारे समाज को लेकर चलना चाहिए उन्हें समाज के युवाओं को आगे आने का आह्वान किया। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। शशि जैन अध्यक्ष नगर पालिका परिषद अमरोहा ने कहा कि प्रजापति समाज द्वारा काफी समय से भगवान श्री दक्ष प्रजापति चौक बनवाए जाने की मांग रखी जा रही थी इसे प्रशासन द्वारा स्वीकार कर लिया गया है और शीघ्र ही चौक का निर्माण करा दिया जायेगा। प्रजापति समाज अमरोहा द्वारा भगवान दक्ष प्रजापति द्वार नगर के किसी उचित स्थान पर बनाए जाने की भी मांग रखी गई है। डॉ विनोद गोला मुख्य संयोजक कार्यक्रम कुलदीप प्रजापति संयोजक कार्यक्रम सहसंयोजक चिरंजीलाल प्रजापति प्रसाद लाल चमन सिंह सतीश प्रजापति विकास बाबू एडवोकेट कार्यक्रम संरक्षक कैलाश प्रजापति आदर्श प्रजापति मंच पर आसीन अतिथि गण आदरणीय धर्मवीर प्रजापति हरि सिंह ढिल्लों जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी शशि जैन पूर्व जिला अध्यक्ष गिरीश त्यागी जिला महामंत्री शिव पुराण सिंह सैनी जिला महामंत्री राकेश वर्मा जिला मीडिया प्रभारी रमेश कलाल पूर्व विधानसभा प्रत्याशी कमल सिंह प्रजापति कुंदरकी महेंद्र प्रजापति क्षेत्रीय महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोनू यादव जिला कार्यकारिणी सदस्य डॉक्टर हर ज्ञान सिंह डा जगदेव सिंह प्रजापति प्रजापति जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग अमरोहा विकास बाबू एडवोकेट जिला सह मीडिया प्रभारी नगर अध्यक्ष अमित सैनी पूर्व नगर अध्यक्ष प्रेम सिंह सैनी मंडल अध्यक्ष जयदेव प्रजापति सोनिया प्रजापति दिलीप बाल्मीकि जीडिडौली कंचन सिंह जिला पंचायत सदस्य भगवत सिंह मान जिला पंचायत सदस्य पवनीत दिवाकर प्रभात गोल प्रजापति चैनपुर गोला अजय सैनी सभासद विशाल सैनी पारस सैनी आकाश यादव आदर्श गोला मुन्नालाल प्रजापति अर्जुन सैनी सभासद मुन्नालाल प्रजापति करण सिंह प्रजापति अमित पाल सतीश प्रजापति श्याम लाल प्रजापति प्रीतम सिंह रोहित प्रजापति मेघराज प्रजापति मुखराम प्रजापति अमर सिंह शेखर राजेंद्र राजेंद्र राणा मनोज प्रजापति सोनू प्रजापति सूरज रामप्रसाद तोताराम नरेश नानू किशन लाल ,डा जितेंद्र प्रजापति आदि सम्मानित नगर वासी उपस्थित रहे।

बालिका सशक्तिकरण से ही राष्ट्र निर्माण संभव: डॉ० प्रदीप

संवाददाता

शक्तिनगर। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं तृतीय की ओर से 11 अक्टूबर 2025 को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर एक परिचर्चा आयोजित की गई ' इस अवसर पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता कर रहे संस्था के प्रभारी डॉ० प्रदीप कुमार यादव ने कहा कि आज का दिन बालिकाओं के लिए काफी महत्वपूर्ण है। बालिकाएं अपने कर्तव्य एवं अधिकार के प्रति सजग होकर देश के विकास में सहभागी बने। उन्होंने कहा कि बालिकाएं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं , केवल उन्हें अवसर एवं सम्मान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर विशिष्ट वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय परिसर के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ० मानिकचंद पांडे ने कहा कि एनटीपीसी परिसर जनजातीय क्षेत्र में बालिका सशक्तिकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है । यहां की छात्राएं देश के विभिन्न भागों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रही हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ० छोटेलाल प्रसाद ने बालिका सशक्तिकरण और जन उपयोगी शिक्षा के क्षेत्र में एनटीपीसी परिसर की छात्राओं के प्रदर्शन को सराहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं अध्यापक गण उपस्थित रहे और अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० विनोद कुमार पांडे ने धन्यवाद ज्ञापित किया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से ज्योति, पल्लवी, हिमांशु, प्रभा सोंधिया, पूनम कुमारी, खुशबू, पूजा, शालिनी, सलोनी, राजन ज्योति कुमारी आदि ने सहभागिता की।

गैंगरेप में शामिल 1 आरोपी का हाफ एनकाउंटर

लखनऊ। में छात्रा का गैंगरेप में शामिल 1 आरोपी की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। जवाबी फायरिंग में उसके दाहिने पैर में गोली जिससे वह भाग नहीं सका। उसके साथ बाइक पर जा रहा दूसरा व्यक्ति फरार हो गया। इसके अलावा, पुलिस टीम ने इसी वारदात के दूसरे आरोपी को शाम को गिरफ्तार कर लिया था। हाफ एनकाउंटर में पकड़े गए आरोपी की पहचान ललित कश्यप के रूप में हुई है। दूसरी टीम की ओर से गिरफ्तार किए गए दूसरे आरोपी का नाम मिराज है। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि गैंगरेप में 5 आरोपी नामजद किए गए थे। इनमें से 2 पकड़े गए हैं और अन्य 3 की तलाश की जा रही है। बंथरा इलाके की रहने वाली 17 वर्षीय दलित छात्रा पास के ही एक स्कूल में पढ़ती है। पीड़िता की बड़ी बहन हरौनी पुलिस चौकी के अंतर्गत एक गांव में रहती हैं। हाल ही में उनकी डिलीवरी हुई थी। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे छात्रा बहन को देखने के लिए अपने घर से निकली थी। पुलिस के अनुसार, रास्ते में किशोरी ने अपने परिचित युवक को बुलाया और दोनों बाइक से मोहान रोड स्थित हरौनी पेट्रोल पंप पहुंचे। पेट्रोल पंप से कुछ दूर एक आम के बाग में बैठकर बातचीत कर रहे थे, तभी पांच अज्ञात युवक वहां पहुंचे और उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। विरोध करने पर युवकों ने छात्रा के परिचित को पीटकर भगा दिया। इसके बाद पांचों आरोपियों ने छात्रा के साथ बारी-बारी से रेप किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद छात्रा ने तुरंत अपने बहनोई को सूचना दी। बहनोई किशोरी को हरौनी पुलिस चौकी ले गए और पूरी घटना बताई। पीड़िता के पिता ने छोटू, बाबू, ललित और विशाल नामक युवकों के खिलाफ तहरीर दी थी। घटना के दौरान यह नाम पीड़िता ने आरोपियों द्वारा आपस में नाम लेकर बात किए जाने के दौरान सुने थे। आरोपी घटनास्थल के आसपास गांव के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपियों के नाम विशाल गुप्ता, राजेंद्र कश्यप उर्फ बाबू, मेराज, ललित और शिव कश्यप हैं, जिन्होंने नशे की हालत में किशोरी के साथ गैंगरेप किया था। घटनास्थल से कुछ दूरी पर ही शराब ठेका भी है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

पूर्व प्रधान संवारी देवी को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता

कुशीनगर। कसया विकास खंड क्षेत्र के ग्राम सिरसिया खोहिया की पूर्व ग्राम प्रधान श्रीमती संवारी देवी की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर विशिष्ट जनों ने उनके चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। नगरपालिका परिषद कुशीनगर के केश्वर इंटरमीडिएट कालेज के परिसर में पूर्व प्रधान श्रीमती देवी के श्रृद्धाजंलि कार्यक्रम में उनके पुत्र प्रधानाचार्य पुरंदर प्रताप यादव ने कहा कि माता जी की करुणा, ममता और सादगी से परिपूर्ण थीं। उनकी प्रेरणा से स्थापित कई विद्यालय शिक्षा का प्रकाश फैला रहे है। इस दौरान श्रीमती देवी के पति और पूर्व जिला पंचायत सदस्य मदन यादव, पुत्र देवेंद्र प्रताप यादव, विजेंद्र प्रताप यादव, शेषनाथ यादव, हरेंद्र यादव, जगतराज चौहान, जय सिंह प्रसाद, अमरजीत यादव, कमलेश। भारती, सतवीर कुशवाहा, अंबालिका यादव, शशिमा पटेल, गुड्डी मद्धेशिया, मुन्नी देवी सहित छात्र - छात्रा मौजूद रहे।

रामेश्वरम धाम पहुँची दिव्य ज्योति कलश यात्रा, आध्यात्मिक चेतना से जगमगाया लछिया

संवाददाता

कुशीनगर। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में निकाली जा रही दिव्य ज्योति कलश रथ यात्रा क्षेत्र के लछिया स्थित श्री रामेश्वरम महादेव धाम पहुँची। सैकड़ों ग्रामीणों ने श्रद्धापूर्वक कलश की आरती व पूजन कर स्वागत किया। शांतिकुंज हरिद्वार में वरिष्ठ गायत्री साधक श्री अवधेश पाण्डेय, अपने पिता स्व. रामहर्ष पाण्डेय जी की स्मृति में इस प्राचीन सिद्धपीठ का भव्य जीर्णोद्धार करवा रहे हैं। धाम में महादेव मंदिर, गायत्री मंदिर और राधा-कृष्ण मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। यह स्थल मतवा जी कुटी के रूप में दो सौ वर्षों से भी अधिक पुराना सिद्धपीठ माना जाता है। गायत्री परिजन डा. रामएकबाल कुशवाहा ने बताया कि यह यात्रा 2026 में माता भगवती देवी शर्मा जी की जन्म शताब्दी एवं अखंड दीप के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में निकाली जा रही है। उद्देश्य हैभारतीय संस्कृति, आत्मबोध और सामाजिक उत्थान को जन-जन तक पहुँचाना। बलिष्ठ गायत्री परिजन त्रिवेणी सिंह के अनुसार, 2026 से 2050 तक युग परिवर्तन के लिए 24,24,000 प्राणवान साधकों की तैयारी की जा रही है, जो नियमित गायत्री मंत्र जप से आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करेंगे। द्रौपदी गुप्ता ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य देवत्व का जागरण और संस्कारवान समाज की स्थापना है। यह गुरुदेव के विचार, साहित्य और युगनिर्माण आंदोलन को घर-घर तक पहुँचा रही है। पूर्व ग्रामप्रधान परसन कुशवाहा ने कहा कि यह यात्रा लोगों को स्वयं को जानने की प्रेरणा दे रही है। मानव जीवन अपने श्रेष्ठ कर्मों से दिव्यता प्राप्त कर सकता है, यही इसका मूल संदेश है। धाम के व्यवस्थापक स्वामी बैरागी जी ने बताया कि धाम परिसर में निःशुल्क साधना शिविरों हेतु आश्रम का निर्माण हो रहा है। प्रत्येक माह गायत्री महायज्ञ का आयोजन भी हो रहा है। आगामी 3 नवम्बर को पाँच कुण्डीय महायज्ञ में सभी श्रद्धालु सादर आमंत्रित हैं।इस अवसर पर त्रियुगीनारायण पांडेय, आमोद कुमार उपाध्याय, गणेश गुप्ता, कैलाश मिश्र, पं. सुभाष पाण्डेय, डा. सुरेन्द्र मिश्र, अरविन्द सिंह, हरिकेश कुशवाहा, डॉ. हीरालाल श्रीवास्तव, सिंधु वर्नवाल, कविता सिंह, सुमन सिंह, रमेश वर्मा उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर "सशक्त नारी, सशक्त समाज" अभियान के तहत किशोरियों को किया गया सशक्त

अमरोहा (सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश कोएलिशन टू एम्पावर गर्ल्स (UPCEG) के तत्वावधान में "सशक्त नारी, सशक्त समाज" अभियान के अंतर्गत एच. एस. पी. इंटर कॉलेज, अम्हेडा, अमरोहा में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को सशक्त बनाना, उन्हें समान अवसर दिलाना और समाज में उनकी भूमिका को मजबूती से स्थापित करना रहा। कार्यक्रम का नेतृत्व महेश सिंह, सचिव, महेश ग्रामीण सेवा संस्थान द्वारा किया गया, जो वढउएॠ के सक्रिय सदस्य हैं। कार्यक्रम में संवाद सत्र, नेतृत्व जागरूकता, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और सरकारी योजनाओं की जानकारी से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से किशोरियों को आत्मनिर्भरता, निर्णय लेने की क्षमता, शिक्षा और कौशल विकास के महत्व को समझाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमराज सिंह, सदस्य, बाल कल्याण समिति, ने बालिकाओं से संवाद करते हुए उन्हें मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, रानी लक्ष्मीबाई योजना और पॉक्सो अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि किशोरियों को कानूनी और सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूक करना समय की आवश्यकता है। साथ ही पुलिस हेल्पलाइन नंबर और अन्य सुरक्षा उपायों की जानकारी भी दी गई।

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का किया शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश के समस्त जनपदों में प्रधानमन्त्री धन धान्य कृषि योजना (PMDDKY) के उद्घाटन के क्रम में राष्ट्रीय गोकुल मिशन अन्तर्गत अन्य कार्यक्रमों के लाईव स्क्रीनिंग के साथ-साथ उत्कृष्ट मैत्री को प्रमाण पत्र वितरित करने हेतु जनपद स्तर पर उपनिदेशक कृषि व सहायक निदेशक मत्स्य के सहयोग से कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ0 हरि सिंह ढिल्लो सदस्य विधान परिषद बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र अमरोहा, ब्रजेश चौधरी पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा, वीरेन्द्र सिंह जिला उपाध्यक्ष भाजपा, अश्वनी कुमार मिश्र मुख्य विकास अधिकारी, राम प्रवेश उप निदेशक कृषि, डा० आभा दत्त मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, रीनू सिंह सहायक निदेशक मत्स्य, डा० बिजेन्द्र सिंह पशु चिकित्सा अधिकारी, डा० रामवीर सिंह पशु चिकित्सा अधिकारी एवं सम्मानीय कृषक गण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से पीएम मोदी ने इस योजना का शुभारंभ किया, जो कम उत्पादकता वाले जिलों में किसानों की आय दोगुनी करने, सिंचाई सुविधाओं को मजबूत करने और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। सदस्य विधान परिषद द्वारा पशु पालन विभाग अन्तर्गत कृत्रिम गभार्धान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 29 कृत्रिम गभार्धान कार्यकताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, साथ ही मुख्यमन्त्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत किरन पाल सिंह व महिपाल सिंह को स्वीकृति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लो द्वारा अपने सम्बोधन में जैविक खेती व स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर जोर दिया गया। द्वारा पशुपालकों को अच्छे नस्ल की मादा संतति हेतु पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा जैविक खेती से होनेवाले लाभों पर प्रकाश डाला गया साथ उन्नत नस्ल से पशुपालकों को आर्थिक लाभ होने के विषय में अवगत कराया गया। जैविक खेती के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले विजयपाल सिंह द्वारा भी अपने सम्बोधन में जैविक खेती के लाभों के विषय में कृषकों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने मध्य पूर्व जाने से पहले कराया मेडिकल टेस्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व की यात्रा से पहले शुक्रवार को मैरीलैंड के बेथेस्डा स्थित वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में स्वास्थ्य जांच कराई। 79 वर्षीय ट्रंप जनवरी में व्हाइट हाउस में दोबारा कार्यभार संभालने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं। व्हाइट हाउस ने इसे ट्रंप की नियमित जांच बताई। यह जांच उनके व्यापक शारीरिक परीक्षण के छह महीने बाद हो रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यहां सैनिकों के साथ बैठक भी की। ट्रंप ने कहा, शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। यह डॉक्टर के पास छह महीने में एक बार होने वाली मुलाकात थी। मुझे जांच कराना पसंद है। बता दें, जुलाई में व्हाइट हाउस ने खुलासा किया था कि ट्रंप के पैरों के निचले हिस्से में सूजन और दाहिने हाथ पर चोट के निशान हैं, जबकि तस्वीरों में राष्ट्रपति के टखने सूजे दिखाई दे रहे थे। उनके हाथ का प्रभावित हिस्सा मेकअप से ढका हुआ था।

खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस ट्रेनिंग सेंटर पर आतंकी हमला, तीन आतंकवादी ढेर

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को एक पुलिस प्रशिक्षण केंद्र पर आतंकियों के हमले में तीन आतंकवादी मारे गए और एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। घटना डेरा इस्माइल खान जिले के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में हुई, जो दक्षिण वजीरिस्तान सीमा के पास स्थित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 7 से 8 भारी हथियारों से लैस आतंकियों ने केंद्र पर हमला किया। एक आत्मघाती हमलावर ने केंद्र के पास खुद को उड़ा लिया, जिससे सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में तीन आतंकवादी मारे गए, जबकि चार से पांच आतंकी अभी भी परिसर के भीतर छिपे होने की आशंका है। सुरक्षा बलों का ऑपरेशन जारी है। हमले में एक पुलिसकर्मी मारा गया है। छह अन्य घायल हुए हैं। इस बीच, पाकिस्तान आर्मी की स्पेशल सर्विसेज ग्रुप (एसएसजी) की टुकड़ी भी स्थल पर पहुंच चुकी है।

तुर्किए और इराक के बीच जल बंटवारे पर प्रारंभिक समझौता

अंकारा, एजेंसी। तुर्किए और इराक ने शुक्रवार को टिगरिस और यूफ्रेट्स नदियों के घटते जल प्रवाह को साझा करने और बेहतर प्रबंधन के लिए एक प्रारंभिक समझौते पर सहमति जताई। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब पश्चिम एशिया के कई हिस्सों में सूखे की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। इराक के विदेश मंत्री फुआद हुसैन ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस समझौते पर जल्द ही इराक में हस्ताक्षर किए जाएंगे। गौरतलब है कि इराक लंबे समय से यह आरोप लगाता रहा है कि तुर्किए द्वारा बनाए गए बांध उसके हिस्से का पानी रोक रहे हैं। इराक की अधिकांश ताजा जल आपूर्ति टिगरिस और यूफ्रेट्स नदियों से होती है, जिनका उद्गम तुर्किए में है।

रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों से कीव में 20 घायल, दक्षिण-पूर्व में बच्चे की मौत

कीव, एजेंसी। रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों ने शुक्रवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव को हिला दिया, जिसमें कम से कम 20 लोग घायल हो गए और एक 7 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। कई आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं और देश के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, राजधानी के केंद्र में 17 मंजिला इमारत की छठी और सातवीं मंजिल पर आग लगने के बाद रेस्क्यू टीमों ने 20 से अधिक लोगों को बचाया। पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस पूर्वी मोर्चे पर असफलताओं की भरपाई के लिए नागरिक क्षेत्रों को निशाना बना रहा है। वे युद्ध के मैदान में कुछ नहीं कर पा रहे, इसलिए हमारे शहरों और बिजली संयंत्रों पर हमला कर रहे हैं।

पूर्व पीएम ऋषि सुनक को माइक्रोसॉफ्ट और एंथ्रोपिक में काम करने की मंजूरी मिली

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को अमेरिकी टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट और एआई फर्म एंथ्रोपिक के लिए अंशकालिक वेतनभोगी सलाहकार के रूप में काम करने की मंजूरी मिल गई है। सरकारी निगरानी संस्था एडवाइजरी कमेटी ऑन बिजनेस अपॉइंटमेंट्स ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। समिति ने कहा कि सुनक को दो साल तक दोनों कंपनियों की ओर से सरकार को लॉबी करने की इजाजत नहीं होगी।

सुरक्षा परिषद में भिड़े अमेरिका और वेनेजुएला, जमकर हुई बहस: ट्रंप सरकार ने कहा- पीछे नहीं हटने वाले

न्यूयॉर्क, एजेंसी। शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आपात बैठक हुई। यह बैठक वेनेजुएला ने अमेरिकी हमलों के खिलाफ बुलाई थी, जिसमें अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तीखी बहस हुई। वेनेजुएला की मादुरो सरकार ने ट्रंप प्रशासन पर सशस्त्र हमला करने की आशंका जताई, वहीं अमेरिका ने कहा कि वे ड्रग कार्टेल के सफाए के लिए पूरी ताकत लगाएंगे और मादुरो सरकार के आरोपों को खारिज कर दिया। अमेरिका ने हाल के दिनों में वेनेजुएला की चार नौकाओं को निशाना बनाया है। वेनेजुएला का आरोप है कि इन हमलों में 21 लोगों की मौत हुई है।

अमेरिका का दावा- ड्रग कार्टेल के खिलाफ कार्रवाई की : अमेरिका का दावा है कि जिन नौकाओं को निशाना बनाया गया, उनसे वेनेजुएला से ड्रग्स की अमेरिका में तस्करी की जा रही थी। वहीं वेनेजुएला सरकार का आरोप है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, निकोसल मादुरो सरकार को अपदस्थ करने और क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति, सुरक्षा और स्थिरता को खतरा पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। वेनेजुएला ने कैरेबियाई समुद्र में अमेरिकी सेना की बड़े पैमाने पर तैनाती पर भी चिंता जाहिर की। वेनेजुएला ने ट्रंप प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप सुरक्षा परिषद की बैठक में वेनेजुएला के संयुक्त राष्ट्र राजदूत सैमुअल मोनकाडा ने कहा, अमेरिकी सरकार की आक्रामक कार्रवाई और बयानबाजी इस तथ्य की

ओर साफ इशारा करती हैं कि हम एक ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं जिसमें यह अनुमान लगाया जा सकता है कि जल्द ही अमेरिका, वेनेजुएला पर सशस्त्र हमला कर सकता है। बैठक के दौरान वेनेजुएला को अपने सहयोगी देशों रूस और चीन से समर्थन मिला, लेकिन 15 सदस्यीय परिषद के बाकी सदस्यों ने संभलकर बयान जारी किया और दोनों देशों से तनाव कम करने और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का पालन करने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार सभी 193 सदस्य देशों को दूसरे देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना और विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाना जरूरी है।

मोनकाडा ने परिषद से अमेरिकी सैन्य कार्रवाई रोकने और एक ऐसे प्रस्ताव को मंजूरी देने की अपील की, जिसमें अमेरिका सहित सभी सदस्य वेनेजुएला की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध हों। हालांकि अमेरिका और उसकी वीटो शक्ति के कारण परिषद द्वारा इनमें से कोई भी कार्रवाई करने की संभावना नहीं है। अमेरिका ने कहा- ड्रग कार्टेल के खात्मे तक पीछे नहीं हटने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की इस बैठक में न तो अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज और न ही उनके उप राजदूत शामिल हुए। ट्रंप प्रशासन के राजनीतिक सलाहकार जॉन केली ने इस बैठक में ट्रंप सरकार का पक्ष रखा और कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कहा है कि वह इन ड्रग कार्टेल से निपटने और उन्हें जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए पूरी ताकत का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्टेल सशस्त्र, सुसंगठित और हिंसक हैं और अमेरिका ऐसी स्थिति में पहुंच गया है जहां हमें आत्मरक्षा और दूसरों की रक्षा के लिए बल प्रयोग करना होगा। केली ने जोर देकर कहा कि अमेरिका, मादुरो या उनकी सरकार को मान्यता नहीं देता है, और ट्रंप के इस दावे को दोहराया कि मादुरो एक नार्कोटेररिस्ट हैं। मादुरो और उनकी सरकार ने इस आरोपों का खंडन किया है।

जिनपिंग के साथ बैठक रद्द करने की बात से पलटे ट्रंप, चीन के नए निर्यात प्रतिबंधों को बताया चौंकाने वाला

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिंगपिंग के साथ मुलाकात रद्द करने वाले बयान पर स्पष्टीकरण जारी किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी हालिया टिप्पणी, जिसमें उन्होंने शी जिनपिंग से मिलने का कोई कारण नहीं होने की बात कही थी, अब उस बयान पर सफाई दी है। ट्रंप ने कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रस्तावित बैठक आधिकारिक तौर पर रद्द नहीं की है। चीन पर बोलते हुए ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से कहा, नहीं, मैंने रद्द नहीं किया है। हालांकि, मुझे यकीन नहीं है कि हम इसे हासिल कर पाएंगे या नहीं। मैं वहां जरूर जाऊंगा। मुझे लगता है कि हम इसे प्राप्त कर पाएंगे। हालांकि, उन्होंने दुनिया को एक झटका दिया। यह चौंकाने वाला था। अचानक, उन्होंने आयात-निर्यात की यह पूरी अवधारणा बना दी, और किसी को इसके बारे में कुछ भी पता नहीं था। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि बीजिंग ने दुर्लभ मृदा तत्वों पर व्यापक नए निर्यात नियंत्रण लगाकर बेहद शत्रुतापूर्ण कदम उठाए जाने के बाद,चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात करने का कोई कारण नहीं है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि चीन ने दुर्लभ पृथ्वी तत्वों पर निर्यात नियंत्रण बढ़ाया है, जो एक अत्यंत आक्रामक रुख है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि अमेरिका कड़े जवाबी उपायों के साथ जवाब देने की तैयारी कर रहा है।

अल-फाशर में तीन दिनों से हमला, 53 नागरिकों की मौत, 60 से अधिक घायल; यूएन ने मानवता को खतरे में बताया

काहिरा, एजेंसी। सूडान के पश्चिमी हिस्से में अल-फाशर कैम्प और आसपास के इलाकों में इस सप्ताह तीन दिनों में हुए संघर्षों में कम से कम 53 नागरिक मारे गए और 60 से अधिक घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने यह जानकारी दी और चेतावनी दी कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

ड्रोन और तोपखाने के हमलों में दर्जनों मरे : टर्क ने बताया कि पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्स द्वारा अबु शौक और दाराजा औला इलाकों में किए गए ड्रोन और तोपखाने के हमलों में 46 लोग मारे गए। इनमें से दर्जनों लोग एल-फाशर के एकमात्र कामकाजी अस्पताल पर हुए शेलिंग में मारे गए। शेलिंग के दौरान पास की मस्जिद भी निशाना बनी, जहां लोग शरण लिए हुए थे।

भड़काऊ हमले और सामूहिक हत्याएं : रैपिड सपोर्ट फोर्स की जमीनी कार्रवाई के दौरान कम से कम सात लोगों की जातिगत हत्या की गई। आरएसएफ और सूडानी सेना पर कथित युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध का आरोप लगा है और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा जांच चल रही है। टर्क ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बार-बार अपील करने के बावजूद, उनके खिलाफ हमले जारी हैं। यह युद्ध कानून का उल्लंघन है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। उन्होंने यूएन सदस्य देशों से तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया।

सूडान में अप्रैल 2023 से जारी है गृहयुद्ध सूडान में 2023 से आरएसएफ और सेना के बीच संघर्ष जारी है। डारफुर क्षेत्र इस लड़ाई का मुख्य केंद्र रहा है। युद्ध में अब तक 40,000 से अधिक लोगों की मौत हुई है, 14 मिलियन लोग विस्थापित हुए हैं और कई हिस्सों में, विशेषकर डारफुर में, अकाल की घोषणा की गई है। एल-फाशर, उत्तर डारफुर की राजधानी, पिछले एक साल से घेराबंदी में है। यूएन और अन्य सहायता समूहों का कहना है कि शहर में 2.6 लाख नागरिक फंसे हुए हैं।

रूस ने लौटाए आठ यूक्रेनी बच्चे, रंग लाई मेलानिया की कोशिश; पुतिन से तीन माह की वार्ता का नतीजा

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका की फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप ने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि पिछले साल अगस्त में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लिखे गए उनके पत्र के बाद से दोनों के बीच यूक्रेनी बच्चों की सुरक्षा और पुनर्मिलन को लेकर लगातार संवाद चल रहा है। मेलानिया के मुताबिक, दोनों देशों की सरकारें बच्चों की सुरक्षित वापसी के लिए सद्भावना के साथ काम कर रही हैं। मेलानिया ट्रंप ने अपने बयान में कहा एक बच्चे की आत्मा किसी सीमा या झंडे को नहीं जानती। पिछले साल जब मैंने राष्ट्रपति पुतिन को पत्र लिखा, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से जवाब दिया और रूस में रह रहे यूक्रेनी बच्चों के बारे में जानकारी साझा की। तब से हमारे बीच इन बच्चों की भलाई को लेकर लगातार बातचीत हो रही है। 24 घंटे में 8 यूक्रेनी बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया उन्होंने बताया कि पिछले तीन महीनों में दोनों पक्षों के बीच कई बैक-चैनल मीटिंग्स और फोन कॉल्स हुई हैं, जिनमें बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने पर सहमति बनी। मेलानिया ने कहा पिछले 24 घंटे में 8 यूक्रेनी बच्चों को सफलतापूर्वक उनके परिवारों से मिलाया गया है। फर्स्ट लेडी के इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। यह पहली बार है जब उन्होंने खुलकर स्वीकार किया कि वे पुतिन के साथ मानवीय मुद्दे पर सीधे संवाद कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रयास राजनीति से परे है और केवल मानवता एवं बच्चों के भविष्य से जुड़ा है। मेलानिया ट्रंप ने आगे कहा कि आने वाले हफ्तों में और बच्चों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए रूस और यूक्रेन के अधिकारियों के साथ सहयोग जारी रहेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से युद्ध के बीच फंसे अन्य परिवारों को भी राहत मिलेगी।

पेरू में बोलुआर्ते की जगह जोस जेरी बने अंतरिम राष्ट्रपति; 10 साल में सातवें राष्ट्रपति ने संभाला पदभार

लीमा, एजेंसी। पेरू में शुक्रवार को 38 वर्षीय जोस जेरी ने सातवें राष्ट्रपति के तौर पर पदभार संभाला। यह तब हुआ जब कांग्रेस ने राष्ट्रपति डिना बोलुआर्ते को हटा दिया। जुलाई में कांग्रेस अध्यक्ष बने जेरी ने शपथ लेने के बाद कहा कि वे देश में मेल-जोल बढ़ाएंगे, अपराध कम करेंगे और अगले अप्रैल में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में निष्पक्षता सुनिश्चित करेंगे।

कांग्रेस ने गुरुवार देर रात डिना बोलुआर्ते के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया शुरू की। उन्होंने बोलुआर्ते को अपने सामने उपस्थित होने के लिए बुलाया, लेकिन जब वे नहीं आईं, तो कांग्रेस ने तुरंत उन्हें पद से हटा दिया। कुल 124 सांसदों ने उनके खिलाफ मतदान किया। यह उनके खिलाफ नौवीं महाभियोग कोशिश

थी। बोलुआर्ते की हटाई गई राष्ट्रपति पद डिना बोलुआर्ते पेरू की पहली महिला राष्ट्रपति थीं। उन्होंने दिसंबर 2022 में पद संभाला था। उनके कार्यकाल में बढ़ते अपराध और लगातार प्रदर्शन उनके लिए चुनौती बने रहे। उन्होंने कुछ हिस्सों में देश में अवैध प्रवासियों को अपराध का कारण बताया। जनवरी से अगस्त 2025 तक 6,041 लोग मारे गए और उगाही की शिकायतों में 28% वृद्धि हुई। राष्ट्रपति पद से हटाए जाने के बाद कोई उप-राष्ट्रपति नहीं था, इसलिए कांग्रेस के अध्यक्ष जोस जेरी को अंतरिम राष्ट्रपति बनाया गया। जेरी की राष्ट्रपति बनने की कहानी जोस जेरी 2021 में कांग्रेस में आए और पूर्व राष्ट्रपति मार्टिन विजकार्रा की सीट पर बैठे। जुलाई में वे कांग्रेस अध्यक्ष बने और उनके समर्थन से ही बोलुआर्ते सत्ता में आई थीं। हालांकि, उनके खिलाफ इस साल बलात्कार के आरोपों की जांच हुई, जो बाद में बिना निष्कर्ष के बंद कर दी गई। अपराध और विरोध प्रदर्शनों की चुनौती बोलुआर्ते के पहले तीन महीनों में 500 से अधिक प्रदर्शन हुए। उनकी प्रशासनिक अक्षमता और अपराध नियंत्रण में असफलता उनके हटाए जाने का मुख्य कारण बनी। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि जनवरी से अगस्त 2025 तक 6,041 लोग मारे गए, जबकि आपराधिक शिकायतों में 28% की वृद्धि दर्ज हुई। बोलुआर्ते ने हाल ही में यह स्थिति अवैध प्रवासियों और पिछले प्रशासन की विफलताओं से जोड़कर बयान दिया था। जोस जेरी अब बोलुआर्ते का कार्यकाल पूरा करेंगे और अगले अप्रैल 2026 में चुनाव होंगे। उनका उद्देश्य देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखना और अंतरिम अवधि में राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करना है।

अमेरिकी सैन्य विस्फोटक फैक्ट्री में भीषण धमाका, 19 लोग लापता; सभी के मारे जाने की आशंका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेनेसी राज्य में एक सैन्य म्यूनिशन (विस्फोटक) फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। इस हादसे में 19 लोग लापता हैं और उनके मृत होने की आशंका जताई जा रही है। हंफ्री काउंटी के शेरिफ क्रिस डेविस ने बताया कि यह अब तक का सबसे भयावह दृश्य था जो उन्होंने अपने करियर में देखा है। उन्होंने कहा हमारी टीम लगातार बचाव कार्य में जुटी है और लापता लोगों के परिवारों से बात कर रही है। यह एक बेहद दुखद और विनाशकारी घटना है।

विस्फोट के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं : शेरिफ ने बताया

कि फिलहाल मलबे के नीचे से किसी भी शव की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन धमाके की तीव्रता को देखते हुए अधिकारियों को कई लोगों की मौत की आशंका है। विस्फोट के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। शुरुआती जांच के अनुसार, हादसा फैक्ट्री में विस्फोटक सामग्री के अनुचित भंडारण या तकनीकी गड़बड़ी की वजह से हुआ हो सकता है। मीलों दूर तक महसूस हुआ धमाका स्थानीय प्रशासन ने बताया कि धमाके की आवाज और झटका कई मील दूर तक महसूस किया गया। घटनास्थल पर दमकलकर्मी और बचाव टीमें लगातार काम कर रही हैं। आसपास के इलाकों को सुरक्षा कारणों से खाली करा लिया गया है। एक अधिकारी ने कहा यह सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि एक त्रासदी है जिसने पूरे समुदाय को झकझोर दिया है। हमारी प्राथमिकता सभी लापता लोगों को ढूंढने और उनके परिवारों तक सुरक्षित पहुंचाने की है। शेरिफ क्रिस डेविस ने बताया कि विस्फोट का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। जांच एजेंसियां मौके पर हैं और पूरी जांच में कई दिन लग सकते हैं। हंफ्री काउंटी इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी की प्रवक्ता ग्रे कॉलियर ने बताया कि अब आगे किसी अन्य विस्फोट का खतरा नहीं है।

लेकॉर्नू दोबारा बने फ्रांस के प्रधानमंत्री, मैक्रों ने दिया एक और मौका; राजनीतिक गतिरोध तोड़ने की है चुनौती

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सेबस्टियन लेकोर्नू को फिर से प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया। लेकोर्नू ने हाल ही में इस्तीफा दिया था, लेकिन राष्ट्रपति ने उन्हें फिर से सरकार बनाने और बजट तैयार करने की चुनौती दी है। यह कदम देश में बढ़ते राजनीतिक और आर्थिक संकट को संभालने की कोशिश माना जा रहा है।

लेकोर्नू की पुनः नियुक्ति कई दिनों की कड़ी बातचीत के बाद हुई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने कर्तव्य की भावना से यह जिम्मेदारी स्वीकार की है। उनका मिशन है कि वर्ष के अंत तक फ्रांस को बजट उपलब्ध कराना और आम नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान करना।

बता दें कि सेबेस्टियन लेकोर्नु ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद मैक्रों के राष्ट्रपति पद छोड़ने और संसद भंग करने की मांग उठने लगी थी, लेकिन मैक्रों ने पद छोड़ने से इनकार कर दिया और नया प्रधानमंत्री नियुक्त करने का एलान कर दिया था।

सरकार में बदलाव और शर्तें : लेकोर्नू ने यह भी कहा कि उनकी नई कैबिनेट में शामिल सभी सदस्यों को 2027 में राष्ट्रपति पद के लिए अपनी महत्वाकांक्षा छोड़नी होगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि नई सरकार नवीनीकरण और कौशल की विविधता को दर्शाएगी।

मैक्रों का दूसरा कार्यकाल चुनौतीपूर्ण : मैक्रों का दूसरा कार्यकाल 2027 तक है, लेकिन

उन्हें राष्ट्रीय विधानसभा में बहुमत न होने के कारण कई फैसलों को लागू करने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इस पुनर्नियुक्ति को राष्ट्रपति के लिए अपने कार्यकाल को मजबूती देने का आखिरी मौका माना जा रहा है।

फ्रांस का कर्ज कुल जीडीपी का 114 प्रतिशत : बीते एक साल से फ्रांस में राजनीतिक गतिरोध जारी है और यह ऐसे समय हो रहा है, जब यूरोपीय संघ की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बुरे दौर से गुजर रही है। फ्रांस में ऋण संकट बढ़ रहा है। साल 2025 की पहली तिमाही में फ्रांस का कुल कर्ज 3.9 खरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो सकल घरेलू उत्पाद का 114 प्रतिशत रहा। राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान के आंकड़ों के अनुसार, फ्रांस की गरीबी दर भी 2023 में 15.4 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 1996 के बाद सबसे ज्यादा है।

माना जा रहा है कि इमैनुएल मैक्रों को अब पेंशन सुधार के अपने कदम से पीछे हटना पड़ सकता है। मैक्रों के इस कदम की भारी आलोचना और विरोध भी हो रहा है। मैक्रों ने इस बेहद अलोकप्रिय उपाय के लिए कड़ा संघर्ष किया, जिसे व्यापक विरोध के बावजूद 2023 में कानून बना दिया गया।

विशाल सैन्य परेड और सबसे शक्तिशाली हथियारों का जखीरा, किम जोंग-उन ने फिर दुनिया को चौंकाया

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग-उन के नेतृत्व में सत्तारूढ़ दल ने अपनी स्थापना का 80वां वर्षगांठ का जश्न मनाया। किम जोंग और विदेशी नेताओं की मौजूदगी में आयोजित विशाल सैन्य परेड में उत्तर कोरिया ने एक बार फिर दुनिया को चौंका दिया। इस दौरान किम जोंग ने अपनी परमाणु-सशस्त्र सेना के सबसे शक्तिशाली हथियारों का प्रदर्शन किया, जिसमें एक नई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल है। जिसका परीक्षण वह आने वाले हफ्तों में करने की तैयारी कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार रात बारिश में शुरू हुई और सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित परेड ने किम की बढ़ती कूटनीतिक पकड़ और एक ऐसा शस्त्रागार बनाने के प्रयास को उजागर किया, जो अमेरिका और एशिया में उनके प्रतिद्वंद्वियों को प्रभावी ढंग से निशाना बना सके।

सैन्य परेड में हथियारों का जखीरा : उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि परेड में ह्वासोंग-20 नामक एक नई, अभी तक परीक्षण ना की गई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया गया, जिसे सबसे शक्तिशाली परमाणु रणनीतिक हथियार प्रणाली बताया गया। प्रदर्शन में शामिल अन्य हथियारों में कम दूरी की बैलिस्टिक, क्रूज और सुपरसोनिक मिसाइलें शामिल थीं, जिन्हें उत्तर कोरिया ने पहले प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया में लक्ष्यों पर परमाणु हमला करने में सक्षम बताया था।

अमेरिका का नहीं किया सीधा जिक्र : उत्तर कोरिया की आधिकारिक केसीएनए समाचार एजेंसी के अनुसार, परेड में दिए गए भाषण में किम ने कहा कि उनकी सेना को एक अजेय शक्ति के रूप में विकसित होते रहना चाहिए जो सभी खतरों

को खत्म कर दे, लेकिन उन्होंने वाशिंगटन या सियोल का कोई सीधा जिक्र नहीं किया।

रूस भेजी गई सैन्य टुकड़ी का प्रदर्शन : रूस की ञस्स्समाचार एजेंसी की तस्वीरों और वीडियो में हजारों दर्शकों को किम जोंग उन के राष्ट्र-संस्थापक दादा के नाम पर जगमगाते किम इल सुंग स्क्वायर पर मिसाइल लगे वाहनों के गुजरते हुए दिखाया गया है। केसीएनए के मुताबिक परेड के दौरान मार्च करने वाले सैनिकों की टुकड़ियों में अजेय विदेशी संचालन इकाई शामिल थी, जिसने कोरियाई लोगों के जज्बे का पूरी तरह से प्रदर्शन किया, जिससे पता चलता है कि वे सैनिक थे, जिन्हें किम ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध प्रयास में शामिल होने के लिए रूस भेजा था।

बता दें कि यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से किम ने रूस को अपनी विदेश नीति की प्राथमिकता बना लिया है, पुतिन की युद्धक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हजारों सैनिक और तोपखाने सहित बैलिस्टिक मिसाइलों व हथियारों की बड़ी खेप भेज रहे हैं। किम ने पिछले महीने चीन का भी दौरा किया था और एक विशाल सैन्य परेड में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पुतिन के साथ मुख्य मंच साझा किया था, जो उनकी कूटनीतिक पकड़ को मजबूत करने के उद्देश्य से एक और कदम था।

फॉलोऑन खेलते हुए वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 173 रन बनाये

–कैम्पबेल और होप ने अर्धशतक लगाकर पारी संभाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम ने मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भी अपना शिकंजा कस दिया है। दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने फॉलोआन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में 173 रनों के अंदर ही दो विकेट गंवा दिये। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय जॉन कैम्पबेल 87 रन पर जबकि शे होप 66 रन बनाकर खेल रहे थे। इस मैच में मेहमान टीम अब भी 97 रन से पीछे है। भारतीय टीम ने पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन पर घोषित की थी। वहीं वेस्टइंडीज टीम अपनी पहली पारी में सिर्फ 248 रनों पर ही सिमट गयी थी। इससे भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 270 रन की बढ़त मिल गयी थी।

दूसरी पारी में वेस्टइंडीज टीम शुरुआती झटकों के बाद संभली। शाई होप और जॉन कैंपबेल ने भारतीय गेंदबाजों का अच्छी तरह से सामना किया।

वहीं इससे पहले स्पिनर कुलदीप यादव के पांच विकेट से भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज की पहली पारी को 248 के स्कोर पर समेट दिया। कुलदीप यादव के अलावा रवींद्र जडेजा को 3 और बुमराह-सिराज को 1-1 विकेट मिला। वेस्टइंडीज ने टी ब्रेक तक 2 विकेट खो दिए। वेस्टइंडीज ने तीसरे सत्र में अच्छा खेल दिखाया। कैम्पबेल ने अर्धशतक लगाया। यह इस सीरीज में किसी भी वेस्टइंडीज के बल्लेबाज का पहला अर्धशतक था। वहीं इससे पहले भारत ने पहली पारी में यशस्वी जायसवाल 175 और शुभमन गिल के नाबाद शतक 129 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 518 रन बनाए थे।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, बेलिंडा क्लार्क का 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को महिला क्रिकेट इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला विश्व कप मैच के दौरान एक कैलेंडर वर्ष में 1000 वनडे रन पूरे करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनकर नया रिकॉर्ड बनाया।

छक्के से पूरा किया ऐतिहासिक मील का पत्थर

मंधाना को इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए 18 रनों की आवश्यकता थी, जिसे उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज सोफी मोलिनक्स की गेंद पर शानदार छक्का लगाकर हासिल किया। उनका यह उपलब्धि हासिल करना न सिर्फ भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण था, बल्कि महिला क्रिकेट के इतिहास में भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन

स्मृति मंधाना ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में 1997 में बेलिंडा क्लार्क के बनाए 970 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा था। मंधाना ने पारी के आठवें ओवर में अयाबोंगा खाका की गेंद पर छक्का जड़कर क्लार्क का रिकॉर्ड ध्वस्त किया। अब वह 1000 रन के आंकड़े को पार कर चुकी हैं।

लगातार तीसरा वनडे विश्व कप

29 वर्षीय स्मृति मंधाना अपना तीसरा वनडे विश्व कप खेल रही हैं। वह 2017 विश्व कप में उपविजेता रही भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं। अब मंधाना वनडे में 5000 रन पूरे करने के करीब हैं। यह मुकाम हासिल करने पर वह यह उपलब्धि प्राप्त करने वाली दूसरी भारतीय और कुल पाँचवीं महिला बल्लेबाज़ बन जाएंगी।

विश्व कप में मिला-जुला प्रदर्शन

हालाँकि रिकॉर्ड्स के बावजूद, मंधाना का मौजूदा विश्व कप में प्रदर्शन थोड़ा अस्थिर रहा है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 8, पाकिस्तान के खिलाफ 23, और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 23 रन बनाए। भारत ने शुरुआती दो मैच जीते, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शीर्ष क्रम के फ्लॉप होने से टीम को 3 विकेट से हार झेलनी पड़ी।

अरशद नदीम के कोच सलमान इकबाल पर लगा आजीवन प्रतिबंध

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम के लंबे समय से कोच रहे सलमान इकबाल पर पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ (PAAF) ने रविवार को आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। उन पर पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने का आरोप है। प्रतिबंध के तहत, सलमान इकबाल अब किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि, कोचिंग या संगठनात्मक भूमिका में भाग नहीं ले सकेंगे।

पंजाब एथलेटिक्स संघ के चुनाव विवाद से जुड़ा मामला

महासंघ ने आरोप लगाया कि इकबाल ने अगस्त में पंजाब एथलेटिक्स संघ के चुनाव कराकर नियमों का उल्लंघन किया। सितंबर के मध्य में गठित एक जांच समिति ने रिपोर्ट सौंपी और 10 अक्टूबर को इकबाल पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी।

अरशद नदीम के प्रदर्शन पर उठे सवालों के बाद बढ़ा विवाद

यह फैसला उस विवाद के तुरंत बाद आया जब पाकिस्तान खेल बोर्ड (क्क्क) ने इकबाल से टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अरशद नदीम के खराब

प्रदर्शन पर स्पष्टीकरण मांगा था। क्क्कने यह भी पूछा था कि एथलीट के प्रशिक्षण और यात्रा पर खर्च कैसे किया गया। इकबाल ने अपने जवाब में खुलासा किया कि पिछले एक वर्ष से PAAF ने अरशद नदीम से जुड़े किसी भी मामले में भाग नहीं लिया, और उन्हें दक्षिण अफ्रीका में प्रशिक्षण और पिंडली की चोट से उबरने के लिए निजी आर्थिक मदद का सहारा लेना पड़ा।

कोच और संघ के बीच गहराता टकराव

सलमान इकबाल कई वर्षों से अरशद नदीम के मुख्य कोच और मेंटर रहे हैं और उन्होंने पाकिस्तान के लिए कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में एथलीट को तैयार किया। हालांकि अब इस निर्णय के बाद पाकिस्तान के सबसे सफल एथलीटों में से एक नदीम का कोचिंग भविष्य असमंजस में पड़ गया है।

ऑल फॉर्मेट के बादशाह : धोनी, कोहली, रोहित और बुमराह का धमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम में कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने चाहे टेस्ट हो, वनडे हो या टी20 तीनों फॉर्मेट में अपनी छाप छोड़ी है और सभी फॉर्मेट में कम से कम 50 मैच खेलने का गौरव हासिल किया है। एमएस धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसे नाम हैं जो इस सूची में सबसे ऊपर रहते हैं, और अब जसप्रीत बुमराह भी इस खास क्लब में शामिल हो गए हैं। बुमराह वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने 50वें टेस्ट मैच में खेल रहे हैं, जिससे वह सभी फॉर्मेट में कम से कम 50 मैच खेलने वाले सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। जसप्रीत बुमराह वनडे में 89 और टी20 में 75 मैच खेल चुके हैं। वे अपना 50वां टेस्ट दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेल रहे है। इससे पहले, एमएस धोनी इस लिस्ट में पहले शामिल हुए थे। धोनी ने अपने इंटरनेशनल करियर में 90 टेस्ट,

350 वनडे और 98 टी20 मैच खेले थे। उन्होंने 15 अगस्त 2020 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन उनके योगदान को भारतीय क्रिकेट में हमेशा याद किया जाएगा।

विराट कोहली और रोहित शर्मा भी इस सूची में दिग्गजों के रूप में शामिल हैं। विराट कोहली ने 123 टेस्ट, 302 वनडे और 125 टी20 मैच खेले हैं, जबकि रोहित शर्मा ने 67 टेस्ट, 273 वनडे और 159 टी20 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया। दोनों खिलाड़ियों ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है, लेकिन वनडे फॉर्मेट में वे अब भी सक्रिय हैं। रवींद्र जडेजा और आर अश्विन की जोड़ी भी सभी फॉर्मेट में कम से कम 50 मैच खेलने वाले भारतीय खिलाड़ियों में शामिल है। अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है और उन्होंने 106 टेस्ट, 116 वनडे और 65 टी20 मैच खेले। वहीं जडेजा अब भी वनडे और टेस्ट में सक्रिय हैं और उन्होंने 86 टेस्ट, 204 वनडे और 74 टी20 मैच खेलकर टीम इंडिया को सेवा दी है।

केएल राहुल इस क्लब में छठे भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक 64 टेस्ट, 85 वनडे और 72 टी20 मैच खेले हैं और लगातार भारत के लिए योगदान दे रहे हैं। इस सूची से स्पष्ट है कि एमएस धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन और केएल राहुल जैसे खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट के हर फॉर्मेट में अपनी शानदार छवि बनाए हुए हैं। इनके अनुभव और प्रदर्शन ने टीम इंडिया को विश्व क्रिकेट में एक अलग पहचान दिलाई है और ये खिलाड़ी आने वाले वर्षों में भी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे।

न्यूजीलैंड से मिली हार को नहीं भूलना चाहते हैं गंभीर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने आक्रामक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। गंभीर के कोच बनने के बाद से ही टीम को शुरुआत में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करारी हार मिली थीं। जिसके बाद वह आलोचना का शिकार हुए थे। इसके बाद गंभीर टीम को चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जिताने में सफल हुए हैं पर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर मिली हुई हार को नहीं भूल पा रहे। तब भारतीय टीम को टेस्ट सीरीज में अपनी ही धरती पर 0–3 से हार का सामना करना पड़ा था। ये पहला अवसर था जब न्यूजीलैंड की टीम भारत की धरती पर टेस्ट सीरीज जीती थी। इस हार के कारण ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल की दौड़ से भी बाहर हो गयी थी। आकाश चोपड़ा से बातचीत के दौरान गंभीर ने कहा है कि कोचिंग करियर में मिले इस झटक से वह कभी नहीं उबर पायेंगे। साथ ही कहा कि वह इस प्रकार की हार को भूलना भी नहीं चाहते। यही बात उन्होंने टीम से भी कही है। गंभीर ने कहा कि कभी–कभी अतीत को याद रखना भी जरूरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो आप चीजों को हल्के में लेने लगते हैं. आपको कभी भी किसी चीज को हल्के में नहीं लगते हैं। सभी सोचते थे कि हम न्यूजीलैंड को आसान से हरा सकते हैं।'

वाशेरोट ने अपने चचेरे भाई रिंडरनेच को हराकर शंघाई मास्टर्स खिताब जीता

शांघाई । वैलेंटिन वाशेरोट ने क्वालीफाइंग दौर से मुख्य दौर में जगह बनाने के बाद रविवार को अपने चचेरे भाई आर्थर रिंडरनेच को 4–6, 6–3, 6–3 से हराकर शंघाई मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में 204वें स्थान पर काबिज 26 साल के वाशेरोट एटीपी मास्टर्स 1000 के इतिहास में सबसे कम रैंकिंग वाले विजेता है। वह एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर का खिताब जीतने वाले मोनाको के पहले खिलाड़ी भी है। वाशेरोट ने सेमीफाइनल में 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन दिग्गज नोवाक जोकोविच को हराया था जबकि रिंडरनेच ने चार ग्रैंडस्लैम का फाइनल खेलने वाले दानिल मेदवेदेव को शिकस्त दी थी।

रोहित शर्मा के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर रहेंगी सबकी निगाहें

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट के हिटमैन रोहित शर्मा पर एक बार फिर पूरी क्रिकेट दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। टीम इंडिया की कप्तानी छिनने के बावजूद उन्होंने अपने खेल और फिटनेस पर पूरा ध्यान केंद्रित किया है। सूत्रों के मुताबिक, रोहित ने पिछले कुछ महीनों में करीब 15 किलो वजन घटाया है और अब पहले से कहीं अधिक फिट और फुर्तीले नजर आ रहे हैं। उनकी यह नई ऊर्जा और समर्पण बताती है कि वह अब भी मैदान पर कुछ साबित करने के इरादे से उतरने वाले हैं। आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरा रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह श्रृंखला उनके लिए 'करो या मरो' जैसी साबित हो सकती है। यदि रोहित वहां शानदार प्रदर्शन करते हैं, तो चयनकर्ताओं के लिए उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि इस दौरे के बाद रोहित अपने अंतरराष्ट्रीय करियर से संन्यास ले सकते हैं।

हालांकि, उनके अनुभव, बल्लेबाजी की समझ और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए क्रिकेट विशेषज्ञ अब भी मानते हैं कि रोहित के पास टीम इंडिया को देने के लिए बहुत कुछ बाकी है। टी20 प्रारूप में भी रोहित शर्मा को एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में देखा जाता है। उनका शांत स्वभाव, मैच सिचुएशन को समझने की क्षमता और टीम को संतुलित रखने की कला उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है। कप्तानी भले ही उनसे चली गई हो, लेकिन उनकी उपस्थिति टीम के लिए अब भी प्रेरणादायक मानी जाती है। फिटनेस पर ध्यान देकर उन्होंने यह संदेश दिया है कि उम्र या पद नहीं, बल्कि मेहनत और अनुशासन ही किसी खिलाड़ी को महान बनाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा द्वारा चुनी गई एक विशेष टीम में भी रोहित शर्मा को शामिल किया गया है। इस चयन ने यह दिखा दिया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी और विश्लेषक अब भी रोहित के अनुभव, नेतृत्व और मैच जिताने की क्षमता को ऊंचा दर्जा देते हैं। यही वजह है कि भारतीय फैंस के बीच भी यह चर्चा जोरों पर है कि क्या रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया में अपने बल्ले से एक बार फिर इतिहास रचेंगे। रोहित का यह नया रूप फिट, केंद्रित और दृढ़ यह साबित करता है कि वह अब भी क्रिकेट के सबसे ऊर्जावान खिलाड़ियों में से एक हैं। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उनका प्रदर्शन यह तय करेगा कि आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण बनी रहती है।

आईपीएल 2026 की नीलामी दिसंबर में, भारत में आयोजन की बढ़ी संभावना

–रिटेंशन की समय सीमा 15 नवंबर तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 की नीलामी दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होने की संभावना जताई जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 13 से 15 दिसंबर के बीच यह आयोजन हो सकता है। एक खबर के अनुसार फ्रेंचाइजी अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने बीसीसीआई से बातचीत की है और चर्चा इन्हीं तारीखों पर केंद्रित है। हालांकि, अभी तक लीग की गवर्निंग काउंसिल ने अंतिम कार्यक्रम तय नहीं किया है। इस बार नीलामी भारत में ही आयोजित होने की संभावना अधिक है, जबकि पिछले दो वर्षों में यह विदेश में हुई थी। पहले दुबई में (2023) और फिर सऊदी अरब के जेद्दा में (2024)। फ्रेंचाइजियों का मानना है कि अगर इस बार मिनी नीलामी भारत में होती है, तो यह कोई चौंकाने वाली बात नहीं होगी।

हालांकि, इस संबंध में अंतिम फैसला अभी नहीं लिया गया है। रिटेंशन की समय सीमा 15 नवंबर तय की गई है, यानी तब तक सभी टीमों को यह बताना होगा कि वे किन खिलाड़ियों को बनाए रख रही हैं और किन्हें रिलीज करने की योजना है। पिछले सीजन में सबसे निचले पायदान पर रही चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स में कुछ बड़े बदलाव संभव हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलीज लिस्ट में दीपक हुड्डा, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, सैम करन और सीएसके के डेवोन कॉनवे जैसे खिलाड़ियों के नाम शामिल हो सकते हैं। आर. अश्विन के आईपीएल से संन्यास लेने के बाद पांच बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स के पास पहले ही 9.75 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि जुड़ चुकी है। वहीं, राजस्थान रॉयल्स में संजू सैमसन की स्थिति पर भी नजर है, हालांकि उनके कप्तान पद को लेकर फिलहाल कोई निर्णय नहीं हुआ है।

सूत्रों के मुताबिक, रॉयल्स द्वारा श्रीलंकाई स्पिनरों वानिंदु हसरंगा और महेश तीक्षाना को रिलीज करने की योजना पर विचार चल रहा था, लेकिन मुख्य कोच कुमार संगकारा की वापसी के बाद इसमें बदलाव की संभावना है। इसके अलावा, टी नटराजन, मिशेल स्टार्क, आकाशदीप, मयंक यादव और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों को भी नई टीमों की तलाश करनी पड़ सकती है। इस बीच, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन नीलामी में सबसे चर्चित नामों में से एक माने जा रहे हैं। चोट के कारण पिछली नीलामी से बाहर रहे ग्रीन इस बार कई फ्रेंचाइजियों के रडार पर हैं। माना जा रहा है कि इस मिनी नीलामी में उन पर भारी बोली लग सकती है।

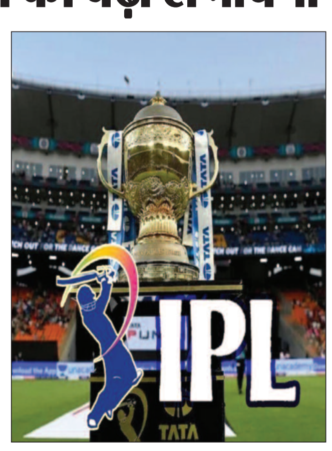

रोनाल्डो गोल करने से चूके लेकिन पुर्तगाल ने आयरलैंड को 1–0 से हराया

लंदन । दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पेनल्टी किक पर गोल करने से चूक गए लेकिन आखिरी क्षणों में रुबेन नेवेस के गोल की बदौलत पुर्तगाल ने विश्व कप क्वालीफाइंग के यूरोपीय चरण में शनिवार को यहां आयरलैंड को 1–0 से हराकर ग्रुप एफ की तालिका में अपनी बढ़त मजबूत कर ली। रोनाल्डो मैच के 75वें मिनट में पेनल्टी पर चूक गए लेकिन नेवेस ने (90+1 मिनट) में गोल कर टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने ग्रुप तालिका में नौ अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हंगरी पर पांच अंक की बढ़त कायम कर ली है। ग्रुप के दूसरे मैच में हंगरी ने डेनियल लुकाक्स और ज़ोम्बोर ग्रुबर के गोल की मदद से आर्मेनिया को 2–0 से हराया। स्पेन ने ग्रुप ई के मैच में जॉर्जिया को 2–0 से हराने के बाद तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। बार्सिलोना के चोटिल प्रतिभाशाली खिलाड़ी लामिन यामल की गैरमौजूदगी में येरेमी पिनो और मिकेल ओयारजाबल के गोल से यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने जीत दर्ज की। ग्रुप के अन्य मैच में तुर्की ने बुल्गारिया को 6–1 से हराया। नॉर्वे ने ग्रुप आई में एर्लिंग हालैंड की हैट्रिक से इस एकतरफा मैच को 5–0 से अपने नाम किया। हालैंड के नाम अब नॉर्वे के लिए 46 मैचों में 51 गोल हो गए है। टीम की यह छह मैचों में छठी जीत है और वह ग्रुप तालिका में इटली से छह अंक आगे 18 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर है। इटली ने एस्टोनिया को 3–1 से हराया।

जोहर कप 2025: भारत ने न्यूजीलैंड को 4-2 से हराकर जारी रखा अजेय अभियान

जोहर बहारू (मलेशिया) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान जोहोर कप के दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को 4-2 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इससे पहले भारत ने टूर्नामेंट के पहले मैच में ब्रिटेन को 3-2 से मात दी थी।

भारत ने मैच की शुरुआत जबरदस्त दबाव के साथ की। पहले क्वार्टर के दूसरे मिनट में अर्शदीप सिंह ने तेज़ी से दाईं ओर दौड़ लगाकर गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। क्वार्टर के अंत में कप्तान रोहित की पासिंग पर पीबी सुनील ने पेनल्टी कॉर्नर का शानदार वैरिएशन गोल में बदलकर स्कोर 2-0 किया।

दूसरे क्वार्टर में अरिजीत सिंह हुंडल ने सर्कल के अंदर तेजी से घूमकर तीसरा गोल दागा और भारत की बढ़त 3-0 हो गई। तीसरे क्वार्टर में न्यूजीलैंड ने गस नेल्सन के गोल से 3-1 किया और वापसी की कोशिश की।

चौथे क्वार्टर में आर कुमुर ने पेनल्टी कॉर्नर का उपयोग करते हुए 4-1 का स्कोर बनाया। मैच के अंतिम मिनट में ऐडन मैक्स ने न्यूजीलैंड के लिए दूसरा गोल दागा, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने मजबूत खेल दिखाकर मैच को काबू में रखा।

अर्शदीप सिंह की तेज़ और चुस्त शुरुआत भारत के लिए महत्वपूर्ण रही। पीबी सुनील और आर कुमुर की पेनल्टी कॉर्नर क्षमता ने स्कोरिंग में मदद की। अरिजीत सिंह हुंडल की सर्कल में तेज़ी और समन्वय ने मैच पर भारतीय टीम का दबदबा बनाए रखा।

न्यूजीलैंड की टीम ने अंतिम कुछ मिनटों में वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति और गोलकीपर की शानदार परफ़ॉर्मेंस ने जीत सुनिश्चित की।

भारत ने लगातार दो मैच जीतकर अजेय अभियान जारी रखा है और अब उसकी नजरें मंगलवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर हैं। टीम का मनोबल उच्च और रणनीति स्पष्ट दिख रही है, जिससे इसे टूर्नामेंट में लंबा रास्ता तय करने की उम्मीद है।

जडेजा का लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने कहा है कि वह अभी संन्यास नहीं ले रहे और उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना है।

वेस्टइंडीज़ के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में 3 विकेट लेने वाले जडेजा ने कहा, 'मैं 2027 विश्व कप खेलने के लिए तैयार हूं।' वहीं उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। जिसके बाद से ही कहा जा रहा था कि अब वह इस प्रारुप के लिए चयन समिति के पसंदीदा नहीं रहे। वहीं ये भी कहा गय कि अब उन्हें केवल लंबे प्रारुप में ही जगह मिलेगी। वहीं जडेजा ने इन सभी संभावनाओं को सिरे से नकार दिया है। उन्होंने कहा, 'यह मेरे हाथ में नहीं है कि चयनकर्ता क्या सोचते हैं। उन्होंने मुझे ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर रहने का कारण बताया था पर मेरा ध्यान इस प्रारुप पर बना हुआ है। । जब भी अवसर मिलेगा मैं अपनी ओर से अच्छा प्रदर्शन करुंगा।' जडेजा ने यह भी कहा कि एकदिवसीय विश्वकप जीतना उनका लक्ष्य है। इससे पहले साल 2023 में टीम फाइनल में पहुंचकर भी ये खिताब नहीं जीत पायी थी। इसलिए उन्हें लगता है कि अभी 'कुछ अधूरा काम बाकी है।' उन्होंने कहा, 'अगली बार जब मौका मिलेगा, मैं पूरी तैयारी के साथ उतरूंगा। पिछली बार हम थोड़ा पीछे रह गए थे, इस बार जो अधूरा रह गया, उसे पूरा करना चाहूंगा।'

कुलदीप यादव ने पांचवीं बार फाइफर किया अपने नाम, बने दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को टीम इंडिया ने मेहमान टीम को 248 रन पर आउट कर दिया। इस दौरान भारत के लिए बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव सबसे सफल गेंदबाज रहे। कुलदीप ने पांचवीं बार टेस्ट मैच की एक पारी में 5 विकेट लिए। इसके साथ ही उन्होंने स्पिनर के तौर पर टेस्ट में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। उनके अलावा इंग्लैंड के जॉनी वार्डले ने 5 बार ऐसा किया है।

बता दें कि, कुलदीप यादव का रिकॉर्ड जॉनी वार्डले से काफी बेहतर है। उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर के मुकाबले आधे टेस्ट में ये कारनामा कर दिया। वार्डले ने 28 टेस्ट में 5 बार पंजा खोला। वहीं कुलदीप ने केवल 15 टेस्ट में ऐसा कर दिया। साउथ अफ्रीका के पॉल एडम्स तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 45 टेस्ट में 4 बार पारी में 5 विकेट झटके।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली में कुलदीप ने 26.5 ओवर में 82 रन देकर 5 विकेट झटके। कुलदीप ने पहला विकेट दूसरे दिन शनिवार को लिया था। उन्होंने अलिक अथानाज को रविंद्र जडेजा के हाथों कैच कराया। उन्होंने 41 रन बनाए। कुलदीप ने तीसरे दिन पहले सत्र में साई होप 36 और टेविन इमलाच 21 को पवेलियन भेजा।

इसके बाद कुलदीप ने जस्टिन ग्रीव्स को पवेलियन भेजा। उन्होंने 17 रन बनाए। उन्होंने पांचवां विकेट जायडन सील्स के तौर पर लिया। उन्होंने 13 रन बनाए। कुलदीप यादव ने टेस्ट में 15 मैच की 27 पारियों में 21.09 के औसत और 3.52 की इकॉनमी से 65 विकेट लिए हैं। 40 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

फेस्टिव सीज़न में क्या पहनना है?

राशि खन्ना हैं आपकी परफेक्ट स्टाइल गाइड!

त्योहारों का मौसम शुरू होते ही सबकी नज़रें पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना पर टिकी हैं, जिनका बेमिसाल एथनिक वॉर्डरोब स्टाइल इंस्पिरेशन से कम नहीं। हवादार कुर्ता सेट से लेकर शाही साड़ियों और खूबसूरत लहंगों तक, राशि हमें दिखाती हैं कि कैसे पारंपरिक फैशन को ग्रेस, ग्लैमर और मॉडर्न ट्विस्ट के साथ अपनाया जा सकता है। यहाँ हैं उनके कुछ सबसे खूबसूरत फेस्टिव लुक्स, जो आपके अपने फेस्टिव स्टाइल गेम को एक नया आयाम देंगे। गुलाबी रंग में सुंदर- वाइब्रेंट कुर्ता चिक राशि ने इस लुक में सादगी और शान का परफेक्ट मेल पेश करती हैं – फ्यूशिया पिंक कुर्ता सेट, जिस पर नाजुक कढ़ाई की गई है। ट्रेडिशनल जुत्तियों और स्टेटमेंट इयररिंग्स के साथ यह लुक उतना ही सहज है जितना कि एलीगेंट। परिवारिक समारोहों, पूजा या छोटे फेस्टिव गेट-टुगेदर्स के लिए यह एकदम परफेक्ट चॉइस है। राशि का यह मस्टर्ड कुर्ता लुक सादगी और एलिगेंस का एक बेहतरीन उदाहरण है। सफेद धागों की कढ़ाई और पारंपरिक चूड़ियाँ इसमें एक नर्म आकर्षण जोड़ती हैं, जो दिन के उत्सवों या कैजुअल फेस्टिव इवेंट्स के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

➢ साड़ी ग्लैमरः आइवरी एलिगेंस

जो लोग सदाबहार पारंपरिक लुक को पसंद करते हैं, उनके लिए राशि की आइवरी सिल्क साड़ी और कंट्रास्टिंग पिंक ब्लाउज़ एकदम परफेक्ट हैं। गजरे से सजा जूड़ा, स्टेटमेंट ज्वेलरी और मिनिमल मेकअप पुराने ज़माने की खूबसूरती का एहसास देते हैं – फेस्टिव डिनर या सांस्कृतिक समारोहों के लिए यह एक क्लासिक चॉइस है।

➢ रीगल रेडियंसः ऑलिव-गोल्ड साड़ी स्टेटमेंट

राशि की तरह बोल्ड और सोफिस्टिकेटेड स्टेटमेंट दें इस डैज़लिंग ऑलिव-गोल्ड साड़ी में, जिसे उन्होंने डीप-कट एम्बेलिश्ड ब्लाउज़ के साथ पेयर किया है। यह लुक पारंपरिक कारीगरी और मॉडर्न स्टाइल का शानदार संगम है – भव्य पारिवारिक आयोजनों या फेस्टिव पार्टियों के लिए एकदम उपयुक्त है।

➢ फेस्टिव ड्रीमः ग्रीन और पिंक लहंगा लव

जब फेस्टिव मूड अपने चरम पर हो और आप कुछ नया ट्राय करने का मन हो, तो राशि का यह ग्रीन और पिंक लहंगा तोरानी डिज़ाइनर का सबसे ख़ास त्यौहारी आकर्षण है जो किसी शोस्टॉपर से कम नहीं। बारीक डिटेलिंग, रिच कलर्स और पारंपरिक ज्वेलरी के साथ यह लुक शादियों, रिसेप्शन या दीवाली पार्टीज़ के लिए परफेक्ट है।

सोनू सूद फिर जरूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आए

अपनी अटूट करुणा और संवेदनशीलता की एक और दिल छू लेने वाली मिसाल पेश करते हुए अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद एक बार फिर एक ज़रूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आए। एक सोशल मीडिया यूजर ने उन्हें एक मैसेज भेजा, जिसमें याद दिलाया गया कि सोनू सूद पंजाब की बाढ़ के समय इसी परिवार से मिले थे। संदेश में लिखा था –सोनू सूद भाई, आप इस परिवार से पंजाब बाढ़ के समय मिले थे। कृपा करके इन्हें मदद करें। करोड़ों लोगों की मदद की है आपने। ?? सूद फाउंडेशन अपने 'एक्शन मैन' वाली पहचान को साबित करते हुए सोनू सूद ने तुरंत इस अपील का जवाब दिया। बिना किसी देरी के उन्होंने भरोसा दिलाया कि मदद पहले से ही चल रही है, और जवाब दिया, इलाज शुरू करवा दिया है। सब दुआ करते रहें। उनकी प्रतिक्रिया की सरलता और तत्परता ने एक बार फिर संकटग्रस्त लोगों के प्रति उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण और सच्ची प्रतिबद्धता को उजागर किया। सोनू के लिए, परोपकार एक दिखावा नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। पिछले कुछ वर्षों में, सोनू सूद देश भर के अनगिनत लोगों के लिए आशा और मानवता के प्रतीक बन चुके हैं। चाहे चिकित्सा सहायता दिलवाना हो, आर्थिक मदद पहुँचानी हो या आपदाग्रस्त परिवारों को संभालना – उनकी संस्था सूद फाउंडेशन के माध्यम से किए गए निरंतर प्रयास आज भी लाखों लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। एक बार फिर, उनके काम ने यह साबित कर दिया कि असली हीरो वही होता है जो संवेदना और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता है।

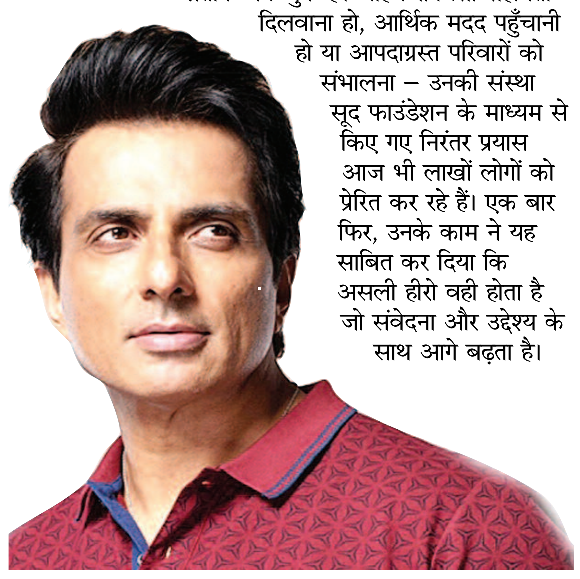

पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचे सुनील शेट्टी

पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एक्टर ने कोर्ट से मांग की है कि बिना अनुमति के उनके फोटो का इस्तेमाल जुए की साइट्स, बिजनेस साइट्स और कई गलत जगहों पर किया जा रहा है, ऐसे में उन्हें पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा दी जाए। सुनील शेट्टी के वकील, वरिष्ठ एडवोकेट बिरेन्द्र सराफ ने कहा कि सुनील शेट्टी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं और उनकी बिना इजाजत के उनकी तस्वीरें, वीडियो और डीपफेक कंटेंट का इस्तेमाल अलग-अलग बिजनेस साइट्स कर रही हैं। ज्यादा तस्वीरें और वीडियो का इस्तेमाल प्रोडक्ट के विज्ञापन और सेल को बढ़ाने में किया जा रहा है, जिससे ऐसा लगता है कि शेट्टी इन ब्रांड्स या सेवाओं से जुड़े हैं, जबकि हकीकत में उनका उन ब्रांड से कोई लेना-देना नहीं है। इससे दर्शकों के बीच एक्टर की छवि को लेकर गलत मैसेज जाता है। सुनील शेट्टी की तरफ से दायर की गई याचिका में डीपफेक फोटो का भी जिक्र है।

चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन को मिला सम्मान

● गौतम अडानी ने सम्मानित किया, सुभाष घई बोले- एक्टर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ काम

मुंबई के व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल में शुक्रवार को आयोजित Celebrate Cinema 2025 के समापन समारोह में इंडस्ट्री के कई दिग्गज एक मंच पर नजर आए। इस मौके पर अडानी ग्रुप चेयरमैन गौतम अडानी ने अभिनेता कार्तिक आर्यन को फिल्म चंदू चैंपियन के लिए सम्मानित किया। मंच पर डॉ. प्रीति अडानी, सुभाष घई, राजकुमार हिरानी, जैकी श्रॉफ और महावीर जैन भी मौजूद रहे। इस मौके पर सुभाष घई ने बताया कि कार्तिक का फिल्म चंदू चैंपियन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ काम है।

समापन समारोह के दौरान अडानी ने सॉफ्ट पावर ऑफ सिनेमा पर बात करते हुए कहा कि सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि देश की पहचान और भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा - अब वक्त है कि भारत की कहानी भारतीय नजरिए से दुनिया तक पहुंचे।,ढ्ढ तकनीक पर बात करते हुए अडानी ने कहा कि,ढ्ढ से डरने के बजाय उसे अपनाना चाहिए, क्योंकि यही फिल्ममेकिंग का भविष्य है।

गौतम अडानी से सम्मानित होने के बाद कार्तिक आर्यन ने कहा, सर, आपकी स्पीच मेरी जिंदगी की सबसे प्रेरणादायक स्पीच में से एक थी। मैं,ढ्ढ से डरता था, लेकिन आपने मेरी सोच बदल दी।'' उन्होंने व्हिसलिंग वुड्स को देश का श्रेष्ठ फिल्म स्कूल बताया और सुभाष घई को अपने करियर का अहम मार्गदर्शक कहा। सुभाष घई ने भावुक होकर कहा- बहुत कम लोग जानते हैं कि कार्तिक मेरी फिल्म कांची के हीरो थे और छह महीने तक मेरे असिस्टेंट डायरेक्टर भी रहे। चंदू चैंपियन उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ काम है। राजकुमार हिरानी ने अडानी के भाषण को शोले की स्पीच जैसा ऐतिहासिक बताया और कहा कि सिनेमा की सॉफ्ट पावर उसकी सच्चाई में है।

इंटरनेशनल म्यूज़िक फेस्टिवल अनटोल्ड

दुबई 2025 में ग्लोबल स्टार नोरा फतेही मुख्य होंगी आकर्षण

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह दुनिया के सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित म्यूज़िक फेस्टिवल्स में से एक UNTOLD दुबई 2025 के स्टार-स्टडेड लाइनअप में शामिल होंगी। यह फेस्टिवल 6 से 9 नवम्बर तक एक्सपो सिटी दुबई में आयोजित होगा, जहां नोरा, जे बाल्विन, मार्टिन गैरिक्स और एलन वॉकर सहित विश्व के कुछ सबसे बड़े संगीत हस्तियों के साथ मंच साझा करेंगी। यह फेस्टिवल, जो अपनी भव्य प्रस्तुति, विविध कलाकारों की मौजूदगी और अद्भुत अनुभव के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, इस वर्ष अपने शानदार अंदाज़ में वापसी कर रहा है, और नोरा का मुख्य परफॉर्मेंस इस फेस्टिवल की सबसे बड़ी आकर्षणों में से एक होने वाली है। दर्शक उम्मीद कर सकते हैं एक हाई-एनर्जी प्रस्तुति की, जिसमें नोरा की सिग्नेचर डांस एनर्जी, पॉप स्टाइल और इंटरनेशनल साउंड का अनोखा संगम देखने को मिलेगा – जो एक ग्लोबल परफ़ॉर्मर के रूप में नोरा के विकास को दर्शाता है। ओह मामा! टेटेमा और स्नेक जैसे चार्ट-टॉपिंग हिट्स से लेकर जेसन डेरुलो और रेवनी के साथ ग्लोबल कोलैबोरेशन तक, और अब जल्द ही रिलीज होने वाली सॉन्ग शेनसीया के साथ उनके बहुप्रतीक्षित आगामी अंतर्राष्ट्रीय पॉप सिंगल जस्ट अ गर्ल तक, नोरा फतेही संगीत और प्रदर्शन के माध्यम से संस्कृतियों को जोड़ती रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो चुका है, जो उनके बढ़ते वैश्विक प्रभाव और सफलता में एक और उपलब्धि जोड़ता है, क्योंकि वह हर रिलीज़ के साथ ग्लोबल चार्ट और चर्चाओं पर हावी रहती हैं।

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी की सफाई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ दर्ज 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह शिल्पा शेट्टी का बयान दर्ज किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, शिल्पा शेट्टी ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने बेस्ट डील टीवी से 4 करोड़ रुपए लिए, लेकिन यह रकम किसी निवेश या कारोबारी सौदे की नहीं थी, बल्कि उनकी सेलिब्रिटी फीस थी। शिल्पा शेट्टी ने जांचकर्ताओं से कहा कि मैं बेस्ट डील टीवी की डायरेक्टर जरूर थी, लेकिन जिन 4 करोड़ रुपए की बात हो रही है, वो मैंने कंपनी के प्रचार और विज्ञापन के लिए बतौर सेलिब्रिटी लिए थे। मैंने उस प्लेटफॉर्म पर एक विज्ञापन अभियान में हिस्सा लिया था, जिसके एवज में मुझे भुगतान किया गया। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिल्पा शेट्टी ने कंपनी से जनवरी 2016 में अपने डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, जिस कंपनी में वे डायरेक्टर थीं, उसी से पैसे लेने का मामला अब जांच के दायरे में है। यह सही है या गलत, यह अभी सब्जेक्ट टू इंटरप्रिटेशन है। अधिकारी ने आगे कहा कि जांच के दौरान कंपनी से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में एक और अहम जानकारी सामने आई है। शुरुआती चरण में इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी इक्विटी होल्डर रह चुके हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अक्षय कुमार का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं पाया गया है। अक्षय कुमार ने कभी भी कंपनी की किसी बोर्ड मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया और न ही वे कंपनी के रोजमर्रा के कार्यों से जुड़े थे। बता दें कि शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा है कि दंपति ने मिलकर उनका पैसा व्यवसाय में विस्तार करने के लिए कर्ज के तौर पर लिया था, लेकिन टैक्स को लेकर दोनों ने इसे निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। कोठारी ने शिकायत में यह भी कहा कि शिल्पा ने उनसे वादा किया था कि वह ब्याज की रकम भी टाइम पर लौटाएंगी, लेकिन पैसे वापस करने के समय शिल्पा ने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। एक्ट्रेस ने व्यवसाय में विस्तार के नाम पर पैसे लिए, लेकिन अपने निजी चीजों में खर्च कर दिए।

अश्लीलता वाली फिल्मों की मंजूरी पर जावेद अख्तर ने उठाया सवाल

दोहरे अर्थ वाले गानों के बारे में भी की बात

गीतकार जावेद अख्तर ने फिल्मों की सेंसरशिप पर अपनी राय रखी है। उन्होंने दोहरे अर्थ वाले गानों के बारे में भी बात की है। आइए जानते हैं उनके विचार। मशहूर गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्मों की सेंसरशिप पर बात रखी है। उन्होंने इस बात पर निराशा जताई है कि समाज की वास्तविकता को दर्शाने वाली फिल्मों को भारत में सेंसरशिप का सामना करना पड़ता है, जबकि अश्लीलता से भरपूर फिल्मों को मंजूरी मिल जाती है।

अश्लील फिल्मों को मिलती है मंजूरी

शुक्रवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए, अख्तर ने कहा कि खराब दर्शक ही एक खराब फिल्म को सफल बनाते हैं। अनंतरंग 2025 के प्रोग्राम में बोलते हुए उन्होंने कहा इस देश में, सच्चाई यह है कि अश्लीलता को (फिल्म नियामक संस्थाओं से) मंजूरी मिल जाती है। उन्हें पता ही नहीं है कि ये गलत मूल्य हैं, एक पुरुषवादी दृष्टिकोण है जो महिलाओं को अपमानित करता है। जो चीजें समाज को आईना दिखाती हैं, उन्हें मंजूरी नहीं मिलती।

फिल्में समाज की खिड़की हैं

जावेद अख्तर ने कहा फिल्म समाज की एक खिड़की होती है, जिससे आप झांकते हैं, फिर खिड़की बंद कर देते हैं, लेकिन खिड़की बंद करने से जो हो रहा है, वह ठीक नहीं हो जाएगा। उन्होंने कहा पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य की वजह से ही ऐसी फिल्में बन रही हैं। अगर पुरुषों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो जाए, तो ऐसी फिल्में नहीं बनेंगी। अगर बन भी जाएंगी तो (सिनेमाघरों में) नहीं चलेंगी।

साभार एजेंसी

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।